MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 23 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-319

हथेली में चाँदी!

मुनाफा तब, जब खरीदेंगे : कियोसाकी



नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

मशहूर किताब रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह आए दिन निवेश और वित्तीय बाजार से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय साझा करते रहते हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनकी ज्यादातर पोस्ट सोना, चांदी और बिटकॉइन से संबंधित होती हैं। फिलहाल इन कीमती धातुओं और क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इस बीच कियोसाकी की एक नई पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें उन्होंने निवेशकों को महत्वपूर्ण सलाह दी है।

कियोसाकी ने लगातार कीं दो पोस्ट

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट के बीच रॉबर्ट कियोसाकी ने अपने एक्स खाते पर लगातार दो पोस्ट साझा कीं। इनमें सोना, चांदी और बिटकॉइन की कीमतों में गिरावट का जिक्र करते हुए निवेशकों को सलाह दी गई है। पहली पोस्ट में उन्होंने कहा कि बाजार में गिरावट के दौरान केवल कमजोर हाथ वाले निवेशक ही अपनी कीमती संपत्तियां बेचते हैं। वहीं, दूसरी पोस्ट में बिटकॉइन का उल्लेख करते हुए उन्होंने अपने निवेश मंत्र को दोहराया और लिखा, आपका मुनाफा तब बनता है, जब आप खरीदते हैं।

सोना-चांदी का क्रैश अच्छा या बुरा?

मरिच डैड पुअर डैडफ के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने अपनी पहली पोस्ट में लोगों से सवाल किया कि सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट अच्छी है या बुरी? उन्होंने लिखा कि सोना, चांदी और बिटकॉइन की कीमतें गिर रही हैं, लेकिन कमजोर हाथ वाले निवेशक बेच रहे हैं, जबकि मजबूत निवेशक इस गिरावट में खरीदारी का इंतजार कर रहे हैं।

कियोसाकी के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व, बैंकों और बॉन्ड बाजारों की अक्षमता इसके पीछे प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का कर्ज लगातार बढ़ता रहेगा, क्योंकि बैंकिंग व्यवस्था चलाने वाले लोग अपने सिस्टम के माध्यम से कानूनी तौर पर लोगों की संपत्ति अपने कब्जे में लेने में लगे हैं।

बिटकॉइन पर दोहराया निवेश मंत्र

रॉबर्ट कियोसाकी की दोनों वायरल पोस्ट में प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन का भी उल्लेख है। पहली पोस्ट में उन्होंने लिखा कि बिटकॉइन की कीमतों में गिरावट को लेकर वह सबसे ज्यादा उत्साहित हैं और अधिक खरीदारी करने का इंतजार कर रहे हैं। ▶8पर

बुलबुला फूटा

सोना-चाँदी ग्लोबल क्रैश



नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

देश में सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन कीमती धातुओं में उथल-पुथल मची हुई है। खासतौर पर चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट निवेशकों के लिए बड़ा सबक बनकर सामने आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर एक किलोग्राम चांदी का भाव अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर से 2.71 लाख रुपये से अधिक नीचे आ चुका है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी जनवरी के अपने उच्चतम स्तर से लगभग 64 प्रतिशत तक टूट चुकी है। इस गिरावट से चांदी में निवेश करने वालों को कितना नुकसान हुआ है, आइए समझते हैं।

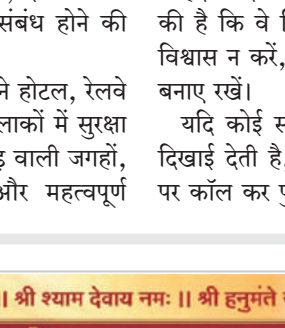
चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

वर्ष 2026 की शुरुआत में सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं निवेशकों को शानदार मुनाफा देती नजर आ रही थीं, लेकिन इसके बाद इनमें ऐसी गिरावट शुरू हुई कि निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। चांदी की तेज बढ़त के बाद आई इस गिरावट ने निवेशकों के सामने जोखिम का बड़ा उदाहरण पेश किया है।

इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 29 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 121.785 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी, लेकिन 19 नवंबर तक गिरकर यह 44.025 डॉलर प्रति औंस रह गई। ▶8पर

हैदराबाद अलर्ट

26/11 जैसे हमले की ईमेल धमकी



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में 26/11 मुंबई आतंकी हमले जैसी वारदात दोहराने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। एक धमकी भरे ईमेल में शहर के होटल और रेलवे स्टेशन पर बम धमाके करने की बात कही गई है। ईमेल भेजने वाले ने खुद को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा बताया है। उसने लगभग 300 लोगों को मारने की धमकी भी दी है।

इस सूचना के बाद हैदराबाद पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। हालांकि, पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और न ही ऐसी अफवाहों को आगे फैलाएं।

हैदराबाद पुलिस की विशेष शाखा की ओर से 21 नवंबर को अलर्ट जारी किया गया था। इसके अनुसार, धमकी भरे ईमेल में काचीगुड़ा स्थित होटल टूरिस्ट प्लाजा और काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन को निशाना बनाने की बात कही गई है। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया कि वह 26 नवंबर को हैदराबाद में वर्ष 2008 के मुंबई हमलों जैसी वारदात को दोहराएगा।

ईमेल में हमले की वजह भी बताई गई है। भेजने वाले ने दावा किया कि वह लश्कर कमांडर लतीफ भट और उसके साथियों के मारे जाने का बदला लेना चाहता है। हालांकि, ईमेल भेजने वाले का लश्कर-ए-तैयबा से संबंध होने की अब तक पुष्टि नहीं हुई है।

धमकी मिलने के बाद पुलिस ने होटल, रेलवे स्टेशन और अन्य संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। भीड़भाड़ वाली जगहों, बस अड्डों, धार्मिक स्थलों और महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों पर भी निगरानी रखने को कहा गया है।

पुलिसकर्मियों को संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और लावारिस सामान पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

हैदराबाद पुलिस ने 22 नवंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि संभावित खतरे को देखते हुए तत्काल सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। संदिग्ध स्थानों पर विस्फोटक निरोधक जांच भी की गई है। शहर में पुलिस की मौजूदगी और गश्त बढ़ा दी गई है। साइबर अपराध पुलिस धमकी भरा ईमेल भेजने वाले की पहचान कर उसे पकड़ने में जुटी है।

अफवाहों से बचें, सुरक्षा कड़ी : पुलिस आयुक्त

बम हमले की धमकी देने वाला ईमेल मिलने के बाद हैदराबाद सिटी पुलिस ने तत्काल एहतियाती कदम उठाते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

पुलिस ने संदिग्ध स्थानों पर तोड़फोड़ एवं विस्फोटक संबंधी गतिविधियों की जांच (एंटी-सबोटाज जांच) की है।

नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शहर में पुलिस की मौजूदगी और गश्त बढ़ा दी गई है। वहीं, साइबर अपराध पुलिस धमकी भरा ईमेल भेजने वालों की पहचान करने और उनका पता लगाने में तेजी से जुटी हुई है।

हैदराबाद सिटी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर विश्वास न करें, उन्हें आगे न फैलाएं और शांति बनाए रखें।

यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु दिखाई देती है, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दें।

ओवैसी को सलामी!

'गार्ड ऑफ ऑनर' गलती पर सवाल



नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने रविवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तब तक मुश्किल से सांस ले पा रही थी, जब तक ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के बीच गठबंधन नहीं हुआ था।

दरअसल, शनिवार को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित सर्किट हाउस में पुलिसकर्मियों ने गलती से ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर दे दिया था। इस घटना के बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

इस घटना पर तंज कसते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वह गार्ड ऑफ ऑनर तो केवल ओवैसी के लिए ही था।

उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के बीच गठबंधन नहीं हुआ था, तब तक भारतीय जनता पार्टी चैन की सांस भी नहीं ले पा रही थी।

ओवैसी-चंद्रशेखर के गठबंधन पर निशाना

प्रियंका चतुर्वेदी का इशारा वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद द्वारा बनाए गए मसामाजिक परिवर्तन मोर्चाफ गठबंधन की ओर था।

चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि ओवैसी को अलग-अलग राज्यों में होने वाले चुनावों में भाजपा को फायदा पहुंचाते हुए देखा गया है। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि किस तरह ओवैसी ने भाजपा की मबी टीमफ के रूप में काम करके उसे फायदा पहुंचाया है। चाहे बिहार हो, महाराष्ट्र हो, पश्चिम बंगाल हो या अब उत्तर प्रदेश, हर जगह ऐसा देखने को मिला है। इसलिए भाजपा ने पूरे सम्मान और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ ओवैसी का स्वागत किया।

राहुल गांधी के बयान का किया समर्थन

इस बीच, प्रियंका चतुर्वेदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस बयान का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने इजरायल के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने और रक्षा खरीद की वकालत की थी। उनका यह समर्थन ऐसे समय आया है, जब केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस मुद्दे पर राहुल गांधी के ▶8पर

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री जीण भगवते नमः ॥ श्री श्याम देवाय नमः ॥ श्री हनुमंते नमः ॥
सभी श्याम प्रेमियों को श्री श्याम जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ
भाग्यनगर (हैदराबाद) के बेगम बाजार में पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर
22 नवम्बर से 26 नवम्बर 2026 तक
पावन सान्निध्य
महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी
मठाधीश खेमदास मठ
प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
26 नवंबर 2026
शुभस्थल : खेमदास मठ (चूड़ी धाम),
चूड़ी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद
श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
पं. श्री भंवरलाल शर्मा
हैदराबाद
श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश महर्षियाँ मुंबई
Food Partner KAVITA CATERERS
Media Partner CLICK MAGIK
Sound Partner Travel Partner
सोमवार दि.23-11-2026 सायं 7:00 बजे से
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा
भजन संध्या
भाग्यनगर के भजन सम्राट
श्री मुरारी दाहिमा के पावन सान्निध्य में
भजन प्रवाहक : मुरारी दाहिमा, दीपेश जोशी, सुनील शर्मा, प्रतीक दाहिमा, हरीश दाहिमा, निकुंज दाहिमा, चेतन दाहिमा, विक्रम चंदन, संदीप चाण्डक, पंकज ओझा, सागर व्यास, अंशुल कोठारी, अनुराग भूतड़ा, हर्ष बंसल, कृष्णा शर्मा, विश्वजीत ठाकुर, सीमा कासेट, स्वाति दायमाआशीष नेमानी, आशीष संघी
गिरीश कुमार गुप्ता 9866433800
दिलीप कुमार जैन 9866991098
विनय जैन 9150000099
रमाकान्त गोयल 9391034050
दीपक गुप्ता 8008066000
प्रतीक कुमार नारसरिया 9247253655
भाग्यनगर की सभी धार्मिक संस्थाएं एवं भक्तगण सादर आमंत्रित है
सत्यनारायण राजेंद्र कुमार तुंदावाले
(सत्तू दादा)
A 201 Gvk Sky City Somajiguda, Hyderabad 500082
नागरमल ओमप्रकाश पंच बसईवाले
RK AGARWAL STORES (Wholesale Kirana Merchant)
Address : 2nd Gate Malakpet Gunj, Hyderabad 500036
Ramakanth Goel : 9391034050, Shashikanth Goel : 9440203004, Shyam Agarwal : 9866584420
अमरनाथ दिलीप कुमार जैन
पुरणमल सुमेरचंद जैन, हैदराबाद
AMRITSAR HAVELI
Kitty Party | Birthday Party | Corporate Meetings
THE KING OF AMRITSARI KULCHA
FOR RESERVATION - BANQUET & RESTAURANT CALL 9281411691
2ND FLOOR, LEGEND BLUE HOPE, TILAK ROAD, ABOVE MAX SHOWROOM ABIDS, HYDERABAD

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 16^0

पाक बोलती बंद

सिंधु पर दी थी हाथ काटने की धमकी



नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

नई दिल्ली में आयोजित पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यता संवाद कार्यक्रम में पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक एक बार फिर भारत में हुए आतंकी हमलों और सिंधु जल संधि को लेकर पूछे गए सीधे सवालों का जवाब देने से बचते नजर आए।

उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान से संचालित आतंकी नेटवर्क और भारत में हुए हमलों को लेकर इस्लामाबाद ने क्या कार्रवाई की है? इस पर उन्होंने पाकिस्तान की जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय सबूतों की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भी आतंकवाद से प्रभावित है और उसके हजारों नागरिक चरमपंथ तथा आतंकवाद का शिकार हुए हैं। वहीं, सिंधु जल संधि को लेकर उनसे जून में दिए गए उस बयान के बारे में सवाल किया गया, जिसमें उन्होंने पानी रोकने की कोशिश करने वाले का हाथ काटने की धमकी दी थी। इस पर उन्होंने कहा कि भारत उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित करेगा, तभी वह इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। पाकिस्तान से जुड़े आतंकी हमलों को स्वीकार करने और वहां सक्रिय आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सवाल पूछे जाने पर मुसादिक मसूद मलिक ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भी चर्चा सबूतों के आधार पर होनी चाहिए। ▶8पर



ट्रंप, जिनपिंग और पुतिन की मुलाकात चीन के ऐतिहासिक काइलीन विला में हुई

बीजिंग

जब दुनिया के तीन सबसे शक्तिशाली लोग डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन एक ही छत के नीचे चीन में जुटे हैं, तो वह जगह महज ईंट-पत्थर की कोई सामान्य इमारत तो नहीं हो सकती। दक्षिणी चीन के आधुनिक शहर शेनझेन में हुई इस ऐतिहासिक त्रिपक्षीय बैठक के लिए बीजिंग ने एक बेहद शांत, रहस्यमयी और प्रकृति की गोद में छिपे काइलीन विला को चुना। इस हाई-स्टेक मुलाकात से पहले पूरे इलाके को एक अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया, जिससे दुनिया भर की नजरें इस आलीशान ठिकाने पर टिक गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक काइलीन विला की भव्यता और गोपनीयता अक्सर लोगों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या यह किसी अरबपति उद्योगपति की निजी

इस विला के निर्माण के पीछे भी एक बेहद दिलचस्प अध्याय छिपा है

जागीर है, लेकिन हकीकत यह है कि शेनझेन शहर में स्थित यह विला किसी निजी व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि चीनी सरकार और शेनझेन म्युनिसिपल गवर्नमेंट के स्वामित्व वाला एक गेस्टहाउस है। इसे स्थानीय स्तर पर किलिन माउंटेन विला के नाम से जाना जाता है। पांच सितारा सुविधाओं से लैस इस सरकारी अतिथि गृह को मुख्य रूप से चीन आने वाले शीर्ष विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, शाही मेहमानों और अत्यंत संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताओं की मेजबानी के लिए बनाया गया है। रणनीतिक और प्राकृतिक रूप से काइलीन विला की बनावट इसे दुनिया के बाकी सरकारी आवासों से बिल्कुल अलग बनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक शेनझेन के नानशान जिले में किलिन पर्वत की तलहटी और खूबसूरत शिली झील के किनारे बसा यह परिसर करीब 3,80,000 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में फैला है। इस पूरे इलाके का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा घनी हरियाली से ढका है, जहां 230 से ज्यादा दुर्लभ प्रजातियों के पेड़-पौधे और फूल खिले रहते हैं। एक तरफ पहाड़, दूसरी तरफ शांत झील और बेहद सीमित प्रवेश द्वार होने के कारण यह जगह प्राकृतिक रूप से इतनी सुरक्षित है कि यहां शीर्ष वैश्विक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था को अंजाम देना एजेंसियों के लिए बेहद आसान हो जाता है। इस विला के निर्माण के पीछे भी एक बेहद दिलचस्प ऐतिहासिक अध्याय छिपा है। इसका संचालन साल 1997 में उस वक्त शुरू किया गया था, जब हांगकांग का चीन में ऐतिहासिक विलय होने जा रहा था। उस दौर में शेनझेन के रास्ते हांगकांग जाने वाले शीर्ष राजकीय नेताओं और करीब 1000 तक विशिष्ट मेहमानों की शाही मेहमाननवाजी के लिए इसे विशेष रूप से तैयार किया गया था। तब से लेकर आज तक यह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा रिसेप्शन केंद्र बना हुआ है, जहां बंद दरवाजों के पीछे दुनिया की दिशा तय करने वाले बड़े फैसले लिए जाते हैं। काइलीन विला की वास्तुकला किसी अंतरराष्ट्रीय संगम से कम नहीं है। इस पूरे विशाल परिसर में पांच मुख्य विला बनाए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक को दुनिया की अलग-अलग स्थापत्य शैली फ्रेंच, इतालवी, स्पेनिश, हवाईयन और कान्टिनेंटल अमेरिकन की तर्ज पर डिजाइन किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

निखिल को जेल हुई पर, अभी भी खुले हैं कई कानूनी विकल्प



न्यूयार्क। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिकी अदालत ने 235 महीने यानी लगभग 19 साल 7 महीने कैद की सजा सुनाई है। हालांकि, इस लंबी सजा के बावजूद अमेरिकी कानून में उनके पास कुछ कानूनी विकल्प अभी भी खुले हैं। निखिल गुप्ता के पास सजा के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। अपील का मुख्य आधार सजा तय करने में हुई कानूनी या प्रक्रियागत गलतियां हो सकती हैं। हालांकि, फरवरी 2024 में आरोपों को स्वीकार कर लेने के कारण यह रास्ता काफी चुनौतीपूर्ण होगा। यदि अपील कोर्ट से भी राहत नहीं मिलती, तो वे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से मामला सुनने की अपील कर सकते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बहुत कम याचिकाएं स्वीकार करता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गुप्ता ने फरवरी 2024 में अपने खिलाफ लगे तीनों आरोपों - हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या की साजिश रचने और मनी लान्ड्रिंग की साजिश - को स्वीकार कर लिया था, जिससे उनकी कानूनी लड़ाई का दायरा सीमित हो गया है। निखिल गुप्ता का मामला न्यूयार्क की साउदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चला।

फाइटर जेट के लिए 1990 के दशक के मेमोरी कार्ड का संकट, आपरेशनल तैयारियों पर सवाल



वाशिंगटन। अमेरिका के सबसे उन्नत फाइटर जेट जेट-22 रैप्टर को लेकर एक अजीबोगरीब समस्या सामने आई है। यह ताकतवर स्टील्थ फाइटर जेट अपने मिशन डेटा सिस्टम को चालू रखने के लिए 1990 के दशक की तकनीक वाले पुराने मेमोरी कार्ड पर निर्भर है, और अब अमेरिकी वायु सेना को इन कार्ड्स की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या इन कार्ड्स के बिना एफ-22 अंधा हो जाएगा। अमेरिकी सरकार के प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर 16 नवंबर को जारी एक नोटिस के अनुसार, वायु सेना ने एफ-22 के डेटा ट्रांसफर कार्टिज में इस्तेमाल होने वाले मेमोरी कार्ड सप्लाई करने वाली कंपनियों की तलाश शुरू की है। यह चुनौती आधुनिक सैन्य विमानों को लंबे समय तक सक्रिय रखने में आने वाली अनदेखी तकनीकी और आपूर्ति समस्याओं को उजागर करती है। इन पुराने कार्ड्स पर मिशन डेटा लोड करने और उड़ान के बाद जानकारी निकालने का काम निर्भर होने के कारण, इनकी कमी से विमान की आपरेशनल तैयारियों पर सीधा असर पड़ सकता है। एफ-22 रैप्टर पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसे अमेरिकी रक्षा कंपनी लाकहीड मार्टिन ने बोइंग के साथ मिलकर तैयार किया है। अपनी स्टील्थ तकनीक, उच्च-स्तरीय सेंसर और युद्धक्षेत्र की जानकारी साझा करने की क्षमता के लिए यह जाना जाता है। 2005 में सेवा में शामिल होने के बाद से, एफ-22 ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर हमले जैसे कई अभियानों में हिस्सा लिया है। फरवरी 2023 में, इसने एक संदिग्ध चीनी निगरानी गुब्बारे को मार गिराकर अपनी पहली एयर-टू-एयर किल भी दर्ज की थी।

घर की दीवार तोड़ते नजर आया पाताल लोक का रास्ता, जमीन में बसा था शहर

कप्पाडोसिया। एक शख्स ने अपने घर के नीचे पाताल लोक जैसी एक पूरी बसी हुई दुनिया खोज निकाली। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि तुर्किये के कप्पाडोसिया इलाके में जमीन के नीचे छिपे सबसे रहस्यमयी प्राचीन शहरों में से एक डेरिंकुयू की हकीकत है। यह अनोखा शहर करीब 18 मंजिलों तक जमीन के अंदर फैला हुआ है और कहा जाता है कि यहां करीब 20 हजार लोगों के रहने का इंतजाम था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कप्पाडोसिया अपनी अनोखी चट्टानों और ज्वालामुखी से बनी नरम चट्टानी मिट्टी के लिए मशहूर है। हजारों साल पहले यहां रहने वाले लोगों ने इसी ज्वालामुखीय चट्टान को काटकर जमीन के नीचे यह विशाल शहर तैयार किया था। साल 1963 से पहले तक इस जगह के बारे में कोई नहीं जानता था। फिर एक स्थानीय व्यक्ति को अपने घर की मरम्मत के दौरान दीवार के नीचे इस अनोखी दुनिया का रास्ता मिला। हिम्मत करके वह आगे बढ़ा, तो सामने पत्थरों की सुरंगों और कमरों का ऐसा जाल नजर आया, जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी। धीरे-धीरे खुदाई हुई और दुनिया के सामने डेरिंकुयू का विशाल पाताल लोक खुल गया। इस भूमिगत शहर में लोगों के रहने का पूरा इंतजाम था। खुदाई में यहां बैठक कक्ष, दुकानें, पानी के ताजे कुएं, अस्तबल और रहने के कमरे मिले। यहां तक कि विशाल पत्थर के दरवाजे भी बनाए गए थे, जिन्हें भीतर से बंद करके बाहरी खतरे से बचा जा सकता था। दुश्मन का शहर पर हमला होते ही लोग धरती के नीचे पाताललोक में उतरकर भारी पत्थरों से रास्ता बंद कर लेते होंगे।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के विधायकों के विशेष अधिकार खत्म, राष्ट्रपति ने जारी किए पांच अध्यादेश

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत से जुड़े पांच अध्यादेश जारी किए हैं। इनके जरिए प्रांतीय विधानसभा के सदस्यों (विधायकों) को मिलने वाले कई विशेष अधिकार खत्म कर दिए गए हैं। इनमें गिरफ्तारी और निवारक हिरासत से मिलने वाली कानूनी सुरक्षा भी शामिल है। इन अध्यादेशों के जरिए प्रांत के 12 संवेदनशील जिलों और अन्य क्षेत्रों में विशेष विकास योजनाएं चलाने के लिए भी नया कानूनी ढांचा तैयार किया गया है। इन योजनाओं की निगरानी और मंजूरी के लिए एक शक्तिशाली कार्यकारी समिति बनाई जाएगी।



डान की रिपोर्ट के अनुसार, विधायकों के अधिकारों में बदलाव के लिए जारी अध्यादेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के सदस्यों को मिलने वाले कई विशेष अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं। इसके लिए 2026 में बने विधानसभा के विशेषाधिकार कानून की 40 में से 21 धाराएं हटा दी गई हैं।

हटाए गए प्रावधानों में गिरफ्तारी या हिरासत से पहले विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति लेने, निवारक हिरासत से सुरक्षा देने और विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर कुछ रोक लगाने जैसे नियम शामिल थे। विधानसभा, उसके सदस्यों और समितियों के विशेषाधिकारों के उल्लंघन से जुड़े अपराधों की सूची भी हटा दी गई है। इससे विधायकों को पहले मिलने वाली विशेष कानूनी सुरक्षा काफी कम हो गई है।

11 अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा में आपातकाल लागू किए जाने के बाद 12 संवेदनशील जिलों की निगरानी के लिए क्षेत्रीय प्रतिनिधि एवं विकास परिषद बनाई गई थी। इन जिलों को गंभीर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें विलय किए गए जिले भी शामिल हैं। अब इन क्षेत्रों में विकास कार्यों और दूसरी विशेष योजनाओं के संचालन के लिए एक कार्यकारी समिति बनाई जाएगी। प्रांत के बाकी जिलों में भी इसी तरह की समिति काम करेगी।

नए अध्यादेशों के तहत कार्यकारी समिति को व्यापक अधिकार दिए गए हैं। वह तय कर सकेगी कि किसी विशेष योजना को कौन-सी एजेंसी लागू करेगी। इस काम के लिए सैन्य संगठनों और सैन्य इकाइयों को भी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

समिति के पास अधिकार

- -किसी योजना को तत्काल या आपातकालीन जरूरत की योजना घोषित करना।
- -विकास योजनाओं के प्रस्तावों और बजट को जांचकर मंजूरी देना।
- -योजनाओं को लागू करने वाली सरकारी या अन्य एजेंसी की सिफारिश करना।
- -सैन्य संगठनों को भी योजना लागू करने की जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव करना।
- -योजनाओं की निगरानी और उनके कामकाज का मूल्यांकन करना।
- -जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों और अन्य लोगों की मदद लेना तथा अलग-अलग समितियां बनाना।

समिति की बैठक महीने में कम से कम एक बार होगी। जरूरत पड़ने पर इससे पहले भी बैठक बुलाई जा सकेगी। फैसले बहुमत से होंगे। मत बराबर होने पर अध्यक्ष का मत अंतिम माना जाएगा।

दूसरे कानूनों से भी ऊपर होंगे ये अध्यादेश

इन अध्यादेशों की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि विशेष योजनाओं से जुड़े मामलों में इनका प्रभाव दूसरे कुछ कानूनों से भी ऊपर होगा। इनमें सरकारी खरीद और निजी-सार्वजनिक भागीदारी से जुड़े प्रांतीय कानून भी शामिल हैं। इसके अलावा, इन अध्यादेशों के तहत लिए गए फैसलों और की गई कार्रवाई को किसी दीवानी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

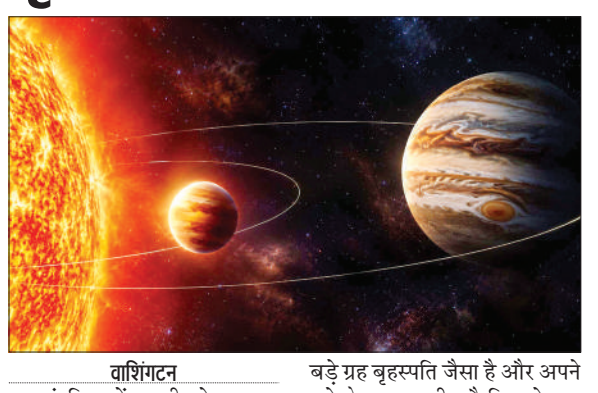
मदरसों के पंजीकरण में भी बदलाव

पांच अध्यादेशों में से एक मदरसों के पंजीकरण से संबंधित है। इसके तहत जिन धार्मिक मदरसों का पंजीकरण केंद्र सरकार के शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण मंत्रालय के धार्मिक शिक्षा महानिदेशालय में हो चुका है या वहां पंजीकरण कराया जा सकता है, उन्हें खैबर पख्तूनख्वा के सोसाइटी पंजीकरण कानून के तहत अलग से पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी।

कई नेता हिरासत में

पुलिस के अनुसार, प्रांत में आपातकाल लागू होने के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी, विधानसभा अध्यक्ष बाबर सलीम स्वाती और कुछ अन्य विधायक निवारक हिरासत में हैं। सोहेल अफरीदी का मुख्यमंत्री के रूप में कामकाज भी राज्यपाल शासन लागू होने के कारण रुक गया था। प्रांत के राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने भी पिछले महीने दावा किया था कि उन्हें नजरबंद कर दिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने शनिवार को पांचों अध्यादेश जारी किए जाने की पुष्टि की। इनमें से चार अध्यादेश 19 नवंबर को सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे। पांचवां अध्यादेश विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन, भत्तों और विशेषाधिकारों से संबंधित है।

ब्रह्मांड में गायब हो गया बृहस्पति जितना बड़ा ग्रह



वाशिंगटन

अंतरिक्ष में पृथ्वी से लगभग 1,000 प्रकाश वर्ष दूर मौजूद एक विशालकाय एक्सोप्लैनेट, टीओआई-2535 बी, ब्रम्हांड में गायब हो गया है। गायब होने का मतलब यह नहीं कि यह ग्रह अंतरिक्ष के खालीपन में भाप बनकर उड़ गया है, बल्कि असल में यह अपने एक पड़ोसी ग्रह के ताकतवर गुरुत्वाकर्षण के कारण अपनी कक्षा से भटक गया है।

इस तरह के ग्रहों को हाट जुपिटर कहा जाता है, जो आकार में हमारे सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति जैसे होते हैं और अपने तारे के बेहद करीब होते हैं। इस अजीबोगरीब घटना की विस्तृत जानकारी नासा के टीईएसएस (ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट) टेलीस्कोप के डेटा पर आधारित है।

खगोलविदों ने अप्रैल 2019 में पहली बार टीईएसएस टेलीस्कोप की मदद से टीओआई-2535 बी नाम के इस ग्रह पर नजर डाली थी। यह टेलीस्कोप तारों की रोशनी में होने वाले बारीक बदलावों को नोटिस करता है।

जब कोई ग्रह अपने तारे के सामने से गुजरता है, तो तारे की रोशनी थोड़ी कम हो जाती है, जिसे धरती से रिकार्ड किया जा सकता है। यह ग्रह आकार में हमारे सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति जैसा है और अपने तारे के इतना करीब है कि इसे एक चक्कर पूरा करने में सिर्फ 8.25 दिन लगते हैं। वैज्ञानिकों ने सात साल तक टीईएसएस टेलीस्कोप से इस ग्रह की हर हलचल को रिकार्ड किया। उन्होंने ध्यान दिया कि यह हाट जुपिटर दूसरे ग्रहों की तरह निश्चित समय पर अपने तारे के सामने से नहीं गुजर रहा था।

इसकी टाइमिंग में छह घंटे तक का अंतर आ रहा था। समय के साथ-साथ तारे के सामने से इसका गुजरना और भी कम होने लगा। फिर इस साल मार्च में टीईएसएस टेलीस्कोप के स्कैन के दौरान टीओआई-2535 बी अचानक दिखना ही बंद हो गया। शोध टीम का मानना है कि यह हाट जुपिटर अपने सिस्टम में अकेला नहीं है, बल्कि इसके ठीक बगल में गैस का एक और विशाल ग्रह मौजूद है। इस पड़ोसी ग्रह की कक्षा थोड़ी तिरछी है।

दोनों ग्रह एक-दूसरे के इतने करीब हैं कि उनका गुरुत्वाकर्षण उन्हें लट्टू की तरह डगमगाने पर मजबूर कर रहा है। इसी खिंचाव ने टीओआई-2535 बी को उसके रास्ते से इतना भटका दिया कि वह धरती के एंगल से बाहर हो गया। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एक खगोलशास्त्री ने इसे अब तक का सबसे हैरान करने वाला मामला बताया है।

छोटे द्वीपीय देशों के लिए अस्तित्व का संकट बन गया है जलवायु परिवर्तन का मुद्दा



अंताल्या। काप-31 सम्मेलन में एक ऐसी विशाल समस्या पर चर्चा हो रही है, जिससे पूरी दुनिया जूझ रही है। ये समस्या है जलवायु परिवर्तन। तुर्किये के अंताल्या शहर में चल रहे काप-31 सम्मेलन में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को घटाने, जलवायु प्रभावों के साथ जीने के तरीकों और विकासशील देशों के लिए क्लाइमेट फाइनेंस जैसे विषयों पर बातचीत हो रही है। जलवायु परिवर्तन का मुद्दा अब छोटे द्वीपीय देशों के लिए अस्तित्व का संकट बन गया है, जहां समुद्र का पानी लगातार उनकी जमीन को निगल रहा है। हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय देश सेशेल्स के उपराष्ट्रपति एलिक्स सेबेस्टियन पिल्लै ने जलवायु संकट पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, उन्होंने कहा कि अब केवल बातें करने से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने का समय आ गया है। उन्होंने जोर दिया कि सेशेल्स के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटना सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की प्राथमिकता नहीं है, बल्कि यह देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता, सतत विकास और अस्तित्व से जुड़ा बुनियादी मुद्दा है। जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया में साफ नजर आ रहा है, जिससे तूफान ज्यादा भीषण हो रहे हैं, लू की घटनाएं बढ़ रही हैं और सूखे व बाढ़ का खतरा भी गंभीर होता जा रहा है।

चीन ने बिछाई 195 किमी लंबी पाइपलाइन, खत्म होगी ईंधन की किल्लत

बीजिंग

पेट्रोल और डीजल के विकल्पों की तलाश में दुनिया भर में जारी प्रयासों के बीच, प्योर हाइड्रोजन फ्यूल एक बड़े गेमचेंजर के रूप में उभर रहा है। यह एक ऐसा स्वच्छ और शक्तिशाली ईंधन है, जो जलने या फ्यूल सेल में इस्तेमाल होने पर धुएं या जहरीली कार्बन डाइआक्साइड की बजाय केवल साफ पानी छोड़ता है। यह आने वाले समय में सड़क पर दौड़ने वाली कारों, ट्रकों और बसों के साथ-साथ भारी उद्योगों जैसे स्टील और एविएशन सेक्टर में प्रदूषण घटाने में बड़ी मदद कर सकता है। इस नए ईंधन को आम लोगों और उद्योगों तक सस्ते में पहुंचाने की दिशा में चीन ने एक बड़ा कदम उठाया है। उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया के औद्योगिक शहर बाओतोउ में 195 किलोमीटर लंबी एक खास पाइपलाइन ने काम करना शुरू कर दिया है। यह चीन की पहली ऐसी लंबी दूरी की पाइपलाइन है, जिसे 100 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक सिर्फ प्योर हाइड्रोजन पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है। इस कदम को स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति लागत घटाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

हाइड्रोजन के भंडारण और परिवहन की ऊंची लागत अब तक इसके बड़े पैमाने पर इस्तेमाल में बाधा बनी हुई थी। सड़क मार्ग से टैंकरों द्वारा लंबी दूरी तक गैस ले जाना बेहद महंगा होता था, और पाइपलाइन बनाना तकनीकी रूप से भी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि यह गैस अत्यधिक संवेदनशील और ज्वलनशील होती है। पाइपलाइन के जरिए आपूर्ति शुरू होने से डिलीवरी की लागत में भारी कमी आने



की उम्मीद है, जिससे पूरे देश में ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार करने को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना से जुड़े जानकारों के अनुसार, इस बुनियादी ढांचे की सालाना परिवहन क्षमता 1 लाख टन मंजूर की गई है। सबसे चौंकाने वाली बात इसकी लागत है; इस पाइपलाइन के जरिए ग्रीन हाइड्रोजन को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च घटकर मात्र 3 युआन (करीब 44 अमेरिकी सेंट) प्रति किलोग्राम तक आ सकता है। इतनी कम लागत होने से परिवहन, रसायन, धातु और गैस क्षेत्र के उद्योगों के लिए इसे अपनाना बेहद आसान हो जाएगा। शुरुआती तौर पर यह परियोजना सालाना 7,800 टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता को सहारा देगी। इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए इनर मंगोलिया को चुनने के पीछे ठोस भौगोलिक और प्राकृतिक वजहें हैं। इस इलाके में तेज हवाएं चलती हैं और धूप भी भरपूर मिलती है, जिससे यहां पवन और सौर ऊर्जा के संसाधन भर-भरकर उपलब्ध हैं। ग्रीन हाइड्रोजन तैयार करने के लिए पानी से हाइड्रोजन और आक्सीजन को अलग करने की प्रक्रिया में बिजली की जरूरत पड़ती है। जब यह बिजली कोयले के बजाय सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों से मिलती है, तभी बनने वाला ईंधन असली मायनों में ग्रीन हाइड्रोजन कहलाता है।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी के नेताओं पर हमले जारी, गोपालगंज को बना दिया छावनी

ढाका (बांग्लादेश)

देश में इस समय राजनीतिक अस्थिरता, हिंसक प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति बनी हुई है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में वापसी की घोषणा, सरकार के नकारात्मक रुख पर उनकी पार्टी अवामी लीग के विरोध प्रदर्शन के बाद कई जिलों में तनाव है। अवामी लीग पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। खुलना में अवामी लीग के दो नेताओं पर हमले के बाद क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। इस बीच सरकार ने हसीना के गृह जनपद गोपालगंज को छावनी में बदल दिया है। वहां बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की 26 और प्लाटून तैनात की गई हैं। इसके साथ ही जिले में तैनात कुल प्लाटूनों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है।

प्रोथोम अलो, ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, रूपशा उपजिला के सेनेर बाजार में और शाम को खान जहान अली था अंतर्गत फुलबारी गेट के पास अवामी लीग के नेताओं पर हमला किया गया। हमले में मो. मुनिरुज्जमान और मुक्तिजोद्धा प्रोजोनमो लीग के सदस्य 50 वर्षीय लैसुज्जमान घायल हो गए। बताया गया है कि लैसुज्जमान की हालत गंभीर है। मुनिरुज्जमान आइचगाटी यूनियन के अंतर्गत देओरा में अवामी लीग की वार्ड नंबर 5 इकाई के महासचिव हैं। वह खुलना जिला कृषक लीग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अशरफुज्जमान बाबुल के छोटे भाई हैं। पुलिस का कहना है कि लैसुज्जमान की पिटाई के आरोप में मिराज नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बार्डर गार्ड बांग्लादेश मुख्यालय के अनुसार गोपालगंज जिले



में बीजीबी की 26 और प्लाटून तैनात की गई हैं। इसके साथ ही, जिले में तैनात कुल प्लाटूनों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए, जिले में पहले से तैनात 29 प्लाटूनों के साथ-साथ अतिरिक्त बटालियन की तैनाती शुरू कर दी गई है। तैनात किए गए जवान स्थानीय प्रशासन और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि सामान्य स्थिति बनी रहे। इस बीच राजधानी ढाका के केरानीगंज इलाके के तेघोरिया में व्यवसायी और अवामी लीग के पूर्व नेता नूर आलम के घर पर हमला किया।

हमलावरों ने कीमती सामान लूटा, एक गाड़ी में आग लगा दी और परिवार के दो सदस्यों को गोली मार दी। गोली लगने से नूर के पुत्र 17 वर्षीय रिपाई महमूद लियोन और उनके ससुर 70 वर्षीय हाजी आलम घायल हो गए। पुलिस ने पुष्टि की है कि हाजी आलम का इलाज फिलहाल सर सलीमुल्लाह मेडिकल कालेज और मिटफोर्ड अस्पताल में चल रहा है। इससे पहले पटुआखाली में अवामी लीग के तीन पूर्व सांसदों और एक पूर्व मेयर के घरों पर हमला किया गया और उनमें तोड़फोड़ की गई। हमलावरों ने कलापारा नगर के कमारपट्टी इलाके में अवामी लीग के दिवंगत पूर्व सांसद अनवर-उल इस्लाम के घर पर हमला किया। अनाथालय (आर्फनेज) इलाके में कलापारा नगर पालिका के पूर्व मेयर अवामी लीग की उपजिला समिति के उपाध्यक्ष एसएम रकीबुल अहसान के घर पर ईंट के टुकड़े और पत्थर फेंके। कलापारा में पूर्व राज्यमंत्री मोहिब्बुर रहमान के आवास पर तोड़फोड़ की गई। वे अवामी लीग की जिला समिति के पूर्व उपाध्यक्ष हैं। कलापारा थाना प्रभारी मो. नजरुल इस्लाम ने बताया कि उन्हें ऐसी घटनाओं की कोई शिकायत नहीं मिली है। इससे पहले, 19 नवंबर की रात करीब 10 बजे पटुआखाली शहर के पुरान बाजार इलाके में पूर्व सांसद लुत्फुन नेसा के घर के मुख्य गेट पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे- तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन-साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे- लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 नवंबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 11:44 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 02:03 तक
योग : वरियान रात्रि 07:58 तक
करण : गर दोपहर 01:15 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:25 ,सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:21 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैकुंठ चतुर्दशी , भद्रा रात्रि 11:44 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 175वां मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल की ओर से हैदराबाद एंड सिकंदराबाद सैनिटरी डीलर्स एसोसिएशन के सहयोग से 175वां निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर हनुमान टेकड़ी स्थित प्रगति महाविद्यालय में आयोजित किया गया। शिविर में कुल 164 रोगियों ने विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल, बेगमपेट की ओर से हड्डी रोग, हृदय रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रैंडम ब्लड शुगर (आरबीएस), रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा संबंधी सेवाएं प्रदान की गईं। इस दौरान डॉ. मबरूर, डॉ. संजय एवं डॉ. हसन सहित नर्सिंग स्टाफ से शारदा, अनुषा, मल्लेश्वरी और मतीन ने सेवाएं दीं। 2डी इको तकनीशियन सुमंत, बीएमडी तकनीशियन मोहन एवं अनिल तथा मार्केटिंग विभाग के उदय कुमार ने भी सहयोग किया।

122 लोगों की नेत्र जांच, चार के ऑपरेशन की व्यवस्था

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई



हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा की ओर से 122 लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई। इनमें से चार लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई, जबकि 66 लोगों को चश्मे प्रदान किए गए। इस सेवा कार्य में ताहा, राजू, वधाना एवं शिविर संयोजक गिरि ने सहयोग दिया।

शिविर में बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज ने फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान कीं, वहीं एसएनआर डेंटल क्लिनिक के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज ने मरीजों के दांतों की जांच की।

समाजसेवियों एवं स्वयंसेवकों ने दिया सहयोग

इस अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी. पित्ती, संयोजक अजीत गुप्ता, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, निखिल राणासरिया एवं दीपक गुप्ता उपस्थित रहे।

स्थानीय भागीदार हैदराबाद और सिकंदराबाद सैनिटरी डीलर्स एसोसिएशन (एचएसएसडीए) की ओर से दीपक गुप्ता, विजय अदातिया, अशोक दोशी, हिरेन शाह, विजय साईं माहेश्वरी, पीयूष कुमार, पंकज बल्दवा, सत्य प्रकाश शर्मा एवं भगवान भाई ने सहयोग प्रदान किया।

इसके अलावा स्वयंसेवकों दिशा अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, प्रयाग चित्याल, अजय तुलस्यान, सुमन भुवानिया, सरला अग्रवाल, अरुणा तुलस्यान, पंकज संघी, बी. शांता देवी एवं राधेश्याम बियानी ने भी सेवाएं दीं। समाजसेवी टी. गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव तथा पित्ती नॉमिनेशन के सदस्यों ने सहयोग प्रदान कर शिविर को सफल बनाया।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं : यू.यू. ललित

आईआईएमयूएन सम्मेलन में सायना नेहवाल ने भी युवाओं को दिया सफलता का मंत्र



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जॉनसन ग्रामर स्कूल, एलबी नगर-कुंतलूर के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय आईआईएमयूएन (इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस) हैदराबाद सम्मेलन-2026 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन 19 नवंबर को तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने किया था।

सम्मेलन में भारत के 49वें पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने समकालीन कानूनी मुद्दों और सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक निर्णयों में बदलने की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और निरंतर परिश्रम करने की सलाह दी।

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी एवं आईआईएमयूएन बोर्ड ऑफ एडवाइजर्स की सदस्य सायना नेहवाल ने पांच वर्ष की उम्र से बैडमिंटन की शुरुआत से लेकर ओलंपिक पदक जीतने तक के अपने सफर को साझा किया। उन्होंने अनुशासन, धैर्य, समर्पण और निरंतर मेहनत को सफलता का आधार बताते हुए युवाओं को दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर जॉनसन ग्रामर स्कूल, एलबी नगर-कुंतलूर के अध्यक्ष डॉ. बी. मल्लिकार्जुन राव ने कहा कि युवाओं में कूटनीतिक सोच, प्रभावी संवाद कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार नेतृत्व की भूमिका निभा सकें।

पल्स पोलियो अभियान : बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक, स्वस्थ भविष्य का दिया संदेश

हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



गौलीपुरा स्थित सीआईबी क्वार्टर्स में पल्स पोलियो अभियान के तहत श्री नल्ला पोचम्मा मंदिर के अध्यक्ष एवं राज्य टग ऑफ वॉर एसोसिएशन के अध्यक्ष अडार्ला महेश ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस अवसर पर महेश ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए पोलियो की दो बूंदें बेहद जरूरी हैं। पोलियो एक खतरनाक विषाणुजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसके कारण बच्चों के हाथ-पैर लकवाग्रस्त हो सकते हैं और उन्हें जीवनभर दिव्यांगता का सामना करना पड़ सकता है। इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, इसलिए बचाव ही इसका एकमात्र उपाय है।उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारें देश को पोलियो मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। हालांकि पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के कुछ मामले सामने आने के कारण बच्चों की पूर्ण सुरक्षा के लिए प्रतिवर्ष विशेष पल्स पोलियो अभियान चलाया जाता है। उन्होंने अभिभावकों से अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की। कार्यक्रम में कौड़ी सुरेंद्र, डोंकी यादगिरी, पी. राममूर्ति, पी. रविंदर, पी. सुधीर कुमार, आंगनवाड़ी शिक्षिका झांसी तथा एएनएम नर्स रम्या सहित अन्य ने भाग लिया।



भाजपा कार्यालय में राज्यसभा सांसद एवं तेलंगाना की सह-प्रभारी श्रीमती रेखा शर्मा, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव, जहीराबाद के पूर्व सांसद श्री बी.बी. पाटिल का शॉल द्वारा सम्मान करते हुए श्री संजय शर्मा एवं समाज सेवी विनोद संचेती।

परिचय सम्मेलन में 50 लाख की निधि घोषित



किनवट, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य वैश्य समाज की ओर से कृष्णा गोशाला परिसर में आयोजित सामूहिक वधू-वर परिचय सम्मेलन में विधायक भीमराव केराम ने समाज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपये की निधि देने की घोषणा की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से विवाह योग्य युवक-युवतियों को एक-दूसरे से परिचित होने का अवसर मिला है। आयोजकों की यह पहल सराहनीय है। इससे सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और समाज की एकता को मजबूती मिलेगी। उन्होंने विवाह के इच्छुक युवक-युवतियों को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

सम्मेलन में नगराध्यक्ष सौ. सुजाता येड्रलवार, आर्यवंश समाज अध्यक्ष दिनकर चाडावार, स्नेहबंध अध्यक्षा सौ. दाक्षायनी आशीष कंचार्लावार, उपाध्यक्षा सौ. रोहिणी नितीन चाडावार, नांदेड जिला परिषद के उपकार्यकारी अधिकारी राजकुमार मुक्कावार, उपशिक्षणाधिकारी वंदना फुटाणे, भाजपा मंडल अध्यक्ष स्वागत आयानेनीवार, पूर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार, पार्षद संतोष मरस्कोल्हे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं समाजबंधु उपस्थित थे। भव्य पंडाल और भोजन व्यवस्था के साथ आयोजित इस सम्मेलन में विदर्भ, मराठवाड़ा और तेलंगाना से बड़ी संख्या में विवाह इच्छुक युवक-युवतियों ने भाग लेकर अपना परिचय दिया।

प्रवासी जैन संघ ने किया जीवदया कार्य





हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री फलोदी खीचन लोहावट प्रवासी जैन संघ, तेलंगाना के तत्वावधान में जीवदया का सेवा कार्य आयोजित किया गया। इसके तहत चूड़ी बाजार स्थित एनिमल प्रोटेक्शन सोसाइटी में पशु-पक्षियों की सेवा की गई। एनिमल प्रोटेक्शन सोसाइटी ऐसी संस्था है, जो जीव-जंतुओं एवं पक्षियों का उपचार करने के साथ उनकी देखभाल भी करती है। सेवा कार्य के दौरान संघ के सदस्यों ने वहां कई कुत्तों, बिल्लियों और बंदरों को उपचार के लिए रखा हुआ देखा।

इस अवसर पर श्री राजेंद्र लूणकड़, कुशल पारेख, धर्मेंद्र झाबक, विजय कोचर, शुभम कोचर, कनिष्क जैन, राजेश, अमित एवं कुसुम पारेख सहित अन्य सदस्यों ने जीवदया का लाभ लिया। संस्था के कई सदस्यों ने धनराशि देकर भी इस सेवा कार्य में योगदान दिया।

संस्था की ओर से सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा भाव की अनुमोदना की गई।



अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की मासिक मेल-मिलाप सभा में उपस्थित शाखा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, के. एस. सदस्य अनिल गर्ग, मासिक मेल-मिलाप सभा के संयोजक अजय गुप्ता, शाखा के पूर्व अध्यक्ष विजय जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण अग्रवाल, सुरेश धानुका, रितेश झुनझुनवाला, आशीष गर्ग तथा विकास अग्रवाल।





राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में रविवार को नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव, प्रेम, सेवा और समर्पण की भावना के साथ निरंतर मानव सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है।



सत्यनारायण व्यास एवं जुगल किशोर उपाध्याय परिवार द्वारा अपने निवास स्थान काबरा कॉम्प्लेक्स, बेगमबाजार में तुलसी विवाह का आयोजन किया गया।

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।



उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।



स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

● एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।

● द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।



● पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।

● षण्मुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

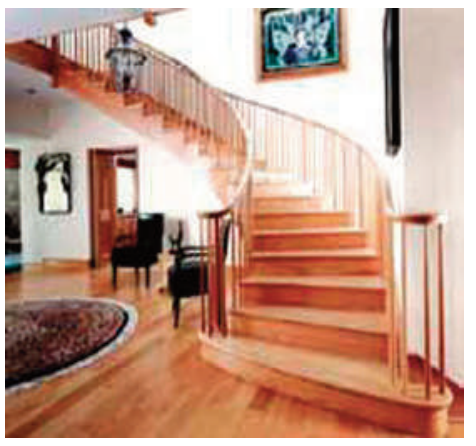
यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यो के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु



यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

● सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।

● यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।

● चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।

● बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।

● यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

● भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।

● वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

कैसा हो आपका स्टडी रूम

स्टडी रूम यानी जीवन का अहम् हिस्सा जहाँ यूथ अपना अधिक से अधिक समय बिताते हैं। यदि यह आपको सूट न करे तो बड़ी गड़बड़ हो सकती है और आपका ध्यान पढाई से हट भी सकता है।

स्टडी रूम हमेशा नॉर्थ, ईस्ट या नॉर्थ-ईस्ट में ही होना चाहिए। स्टडी टेबल हमेशा लकड़ी की हो। लोहे का प्रयोग न करें। टेबल की सतह चिकनी हो, खुरदरी न हो। टेबल समतल हो, खुरदरी न हो।

टेबल को कभी दीवार से अलग न रखे नहीं तो एकाग्रता में बाधा आ सकती है। स्टडी टेबल का शेप हमेशा चौकोर हो, गोल टेबल न रखे।

टेबल की हाईट आपकी हाईट के अनुसार ही हो। ताकि आपकी कमर न झुके। पढ़ने बैठते समय आपका मुख नॉर्थ या नॉर्थ-ईस्ट में होना चाहिए। बुक्स को हमेशा अपने राईट साइड में रखे और लाइट को बाएँ तरफ से आने दें। स्टडी टेबल के सामने अपने इष्ट देवता, माता-पिता या किसी महान व्यक्ति की तस्वीर लगा सकते हैं, मगर फिल्म स्टार या बेहूदी फोटो न लगाएँ।

कमरे का और स्टडी टेबल का रंग राशि के अनुसार हो। मेष और वृश्चिक सफेद व पिंक का प्रयोग करें। वृषभ और तुला सफेद-ग्रीन का इस्तेमाल करें। मिथुन और कन्या ग्रीन, सिंह ब्ल्यू, कर्क रेड एवं व्हाइट, धनु-मीन पीले-सुनहरे और मकर-कुंभ ब्ल्यू के सारे शेड्स का प्रयोग करें।

विशेष : स्टडी रूम में कभी भी गहरे रंग, काले रंग का प्रयोग न करें। पानी वाले शो पीस या पानी की तस्वीर जरूर लगाएँ।

सिंदूर भरने के फायदे



भारतीय वैदिक परंपरा खासतौर पर हिंदू समाज में शादी के बाद महिलाओं को मांग में सिंदूर भरना आवश्यक हो जाता है। आधुनिक दौर में अब सिंदूर की जगह कुमकुम और अन्य चीजों ने ले ली है। सवाल यह उठता है कि आखिर सिंदूर ही क्यों लगाया जाता है।

दरअसल इसके पीछे एक बड़ा वैज्ञानिक कारण है। यह मामला पूरी तरह स्वास्थ्य से जुडा है। सिर के उस स्थान पर जहां मांग भरी जाने की परंपरा है, मस्तिष्क की एक महत्वपूर्ण ग्रंथी होती है, जिसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं। यह अत्यंत संवेदनशील भी होती है। यह मांग के स्थान यानी कपाल के अंत से लेकर सिर के मध्य तक होती है। सिंदूर इसलिए लगाया जाता है क्योंकि इसमें पारा नाम की धातु होती है। पारा ब्रह्मरंध्र के लिए औषधि का काम करता है। महिलाओं को तनाव से दूर रखता है और मस्तिष्क हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है।

विवाह के बाद ही मांग इसलिए भरी जाती है क्योंकि विवाह के बाद जब गृहस्थी का दबाव महिला पर आता है तो उसे तनावए चिंता और अनिद्रा जैसी बीमारिया आमतौर पर घेर लेती हैं। पारा एकमात्र ऐसी धातु है जो तरल रूप में रहती है। यह मष्तिष्क के लिए लाकारी है, इस कारण सिंदूर मांग में भरा जाता है।

गणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजा



प्रातर्नमामि चतुराननवन्द्यमानमिच्छानुकूलमखिलं च वरं ददान्,
तं तुन्दिलं द्विरसनाधिपयज्ञसूत्रं पुत्रं विलासचतुरं शिवयो: शिवाय।
प्रातर्भजाम्यभयदं खलु भक्तशोकदावानलं गणविभुं वरकुञ्जरास्य्,
अज्ञानकाननविनाशनहव्यवाहमुत्साहवर्धनमहं सुतमीश्वरस्य।

गणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजागणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजाबुधवार का दिन श्रीगणेश की सेवा का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन गणपति की पूजा से सभी दैहिक और भातिक कष्ट दूर होते हैं।

गणपति पूजन का विशेष दिन

वैदिक मान्यताओं के अनुसार श्री गणेश की पूजा का विशेष दिन बुधवार बताया गया है। हालांकि इस दिन बुध ग्रह के लिए भी पूजा की जाती है, क्योंकि बुधवार के स्वामी बुध ग्रह भी है। बुध और गणेश दोनों ही बुद्धि के कारक माने जाते हैं। अत: इस दिन बुद्धि के दाता श्री गणेश की मोदक का भोग लगाकर पूजा करने से ज्ञान का वरदान प्राप्त होता है।

कुंडली में बुद्ध ग्रह की होती है शांति

इसके साथ ही यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में बुध ग्रह अशुभ स्थिति में हो तो उसे बुधवार को गणेश जी को सिंदूर, चंदन, यज्ञोपवीत, दूर्वा, लड्डू या गुड़ से बनी मिठाई का भोग लगाना चाहिए। इसके अलावा इस दिन धूप व दीप से श्री गणेश की आरती करें। साथ ही पूजा के दौरान नीचे दिए मंत्र का जाप भी करें।

इसका अर्थ यह है कि मैं ऐसे देवता का पूजन करता हूं, जिनकी पूजा स्वयं ब्रह्मदेव करते हैं। जो मनोरथ सिद्धि करने वाले हैं, भय दूर करने वाले हैं, शोक का नाश करने वाले हैं, गुणों के नायक हैं, गजमुख हैं, अज्ञान का नाश करने वाले हैं। मैं शिव पुत्र श्री गणेश का सुख-सफलता की कामना से भजन, पूजन और स्मरण करता हूं।

होते हैं ये लाभ

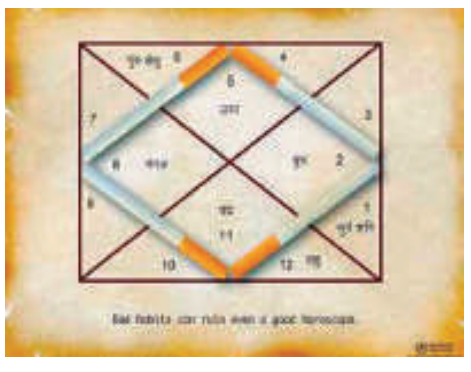
इसके साथ ही बुधवार को गणेश जी की पूजा से कई बिगडे काम भी बन जाते हैं। जैसे गणेश मंत्र का जाप करने से ग्रह दोष का नाश होता है, गणपति पूजन से शत्रुओं से बचाव के साथ परिवार और पूजा करने वाले के दु:ख दूर हो जाते हैं। गणेश जी की पूजा में तुलसी का प्रयोग बिलकुल नहीं करना चाहिए वरना इच्छित फल की प्राप्ति नहीं होती है।

क्यों करते हैं कुंडली मिलान

हिंदू धर्म शास्त्रों में सोलह संस्कार बताए गए हैं। इनमें काफी महत्वपूर्ण है विवाह संस्कार। वर-वधू का जीवन सुखी बना रहे इसके लिए विवाह पूर्व लड़के और लड़की की कुंडली का मिलान कराया जाता है। किसी विशेषज्ञ ज्योतिषी द्वारा भावी दंपत्ति की कुंडलियों से दोनों के गुण और दोष मिलाए जाते हैं।

साथ ही दोनों की पत्रिका में ग्रहों की स्थिति को देखते हुए इनका वैवाहिक जीवन कैसा रहेगा? इसका भी सटीक अंदाज़ा लगाया जाता है। यदि दोनों की कुंडलियां के आधार पर उनका जीवन सुखी प्रतीत होता है, तभी ज्योतिषी विवाह करने की बात कहता है।

कुंडली के सही अध्ययन से किसी भी व्यक्ति के सभी गुण-दोष जाने जा सकते हैं। कुंडली में स्थित ग्रहों के आधार पर ही हमारा व्यवहार, आचार-विचार आदि निर्मित होते हैं। उनके भविष्य से जुड़ी बातों की जानकारी प्राप्त की जाती है। कुंडली से ही पता लगाया जाता है कि



वर-वधू भविष्य में एक-दूसरे की सफलता के लिए सहयोगी सिद्ध होंगे या नहीं। वर-वधू की कुंडली मिलाने से दोनों के एक साथ भविष्य की संभावित जानकारी प्राप्त हो जाती है, इसलिए विवाह से पहले कुंडली मिलान किया जाता है।

आपके हाथों की रेखाएं भी बताती हैं आपके जीवन के राज, जानें

अक्सर लोग अपने हाथ की रेखाओं को देखकर सोचते हैं क्या उन्हें जीवन में कभी कामयाबी मिलेगी? लेकिन हममें से अधिकतर लोगों को हस्तरेखा के बारे में जानकारी नहीं होती। ऐसे में वो किसी ज्योतिष को अपना हाथ दिखाकर उसकी कही बातों पर यकीन कर लेते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि हाथों की अधिकतर लकीरें ऐसी होती हैं। जिसे देखकर आप अपनी किस्मत के बारे में काफी कुछ पता लगा सकते हैं इससे लिए आपको किसी ज्योतिष की भी जरूरत नहीं पडेगी। आइए, हम आपको बताते हैं किस्मत की लकीर पढने के कुछ तरीके।

जीवन रेखा

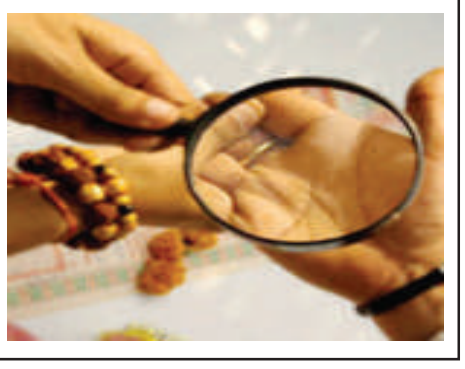
जीवन रेखा आपके हाथ की सबसे महत्वपूर्ण रेखा है जिसमें आपके जीवन के साथ आपकी जिदंगी में होने वाली मुख्य घटनाओं के कई रहस्य छुपे होते हैं। अगर आपकी ये रेखा गहरी और लम्बी है तो यानि आपकी सेहत अच्छी होगी। वहीं दूसरी ओर रेखा के पतले और छोटे होने पर कई शारीरिक परेशानियों से आपको उम्र भर घिरा रहना पडता है।

हृदय रेखा

हृदय रेखा में आपके प्यार और रिश्तों से जुड़े हुए कई रहस्य होते हैं। अगर आप किसी इंसान के बारे में ये जानना चाहते हैं कि वो भावुक है या नहीं तो, आप हृदय रेखा देखकर उस इंसान के बारे में अंदाजा लगा सकते हैं। हाथों पर सीधी और छोटी हृदय रेखा होने का अर्थ होता है कि कोई व्यक्ति अपने शब्दों से ज्यादा अपने काम से प्यार जताता है। अगर किसी व्यक्ति की ये रेखा मुडी हुई है तो यानि उस व्यक्ति की इच्छाएं बहुत प्रबल होती है।

मस्तिष्क रेखा

मस्तिष्क रेखा किसी व्यक्ति के ज्ञान और विवेक की जानकारी देती है। साथ ही इससे आपके मनोज्ञान के बारे में भी पता चलता है। इस रेखा के छोटे होने का अर्थ ये है कि आप जीवन में किसी भी फैसले को बडी आसानी से ले लेते हैं। जबकि इस रेखा के लम्बे होने का अर्थ ये है कि आप किसी बात को गहराई से जानकर उसके बारे में निर्णय लेते हैं। लम्बी और मुडी हुई रेखा का अर्थ है कि आप रचनात्मक सोच रखते हैं।



हेल्थ केयर

इस तरह होगी नॉर्मल डिलिवरी...



प्रेग्नेंसी के खूबसूरत पड़ाव से हर महिला को गुजरना पड़ता है। हालांकि 9 महीने किसी भी महिला के लिए गुजारना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में अगर डिलिवरी नॉर्मल नहीं होती है तो डिलिवरी के बाद भी परेशानी होती है। इसलिए कुछ ऐसी बातें हैं जिससे डिलिवरी नॉर्मल हो सकती है।

रोजाना व्यायाम करें

ऐसे समय में महिलाओं को आराम करने की सलाह दी जाती है, लेकिन अगर व्यायाम करने से फायदा होता है तो जरूर करें। व्यायाम से आप चुस्त रहेंगी और नॉर्मल डिलिवरी के दर्द को बर्दाश्त सकेंगी लेकिन इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि व्यायाम करते वक्त व्यायाम विशेषज्ञ से जरूर पूछ लें क्योंकि गलत तरीके से व्यायाम करने से आपके व आपके बच्चे की जान खतरे में पड़ सकती है।

तनाव से दूर रहें

तनाव से केवल महिला की परेशानी ही नहीं बढ़ाती बल्कि प्रेग्नेंसी में भी कई काम्प्लीकेशन्स बढ़ सकते हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव महिला व बच्चे की सेहत पर पड़ता है। अगर बेवजह तनाव महसूस हो रहा है तो अपने डॉक्टर से मिलकर और इसके पीछे छुपे कारण को जानने की कोशिश करें।

खान-पान पर ध्यान दें

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कमजोरी आती है। इस कमजोरी को घटाने के लिए डॉक्टर गोलियां भी देते हैं। लेकिन जो ताकत खाने से मिलती है वो गोलियों से नहीं मिल सकती। यदि महिला नॉर्मल डिलिवरी चाहती है तो सही समय पर खाएं और सही आहार खाएं।

कहानियों को न सुनें

इस समय बहुत से लोग अपनी कहानियां सुनाते हैं। कई लोगों के पास सुनाने के लिए कई किस्से होते हैं लेकिन उन्हें न सुनने की जिम्मेदारी महिला पर है। डरावनी कहानियों को सुनने से मन में डर बैठ जाएगा और महिला निगेटिव सोचने लगेगी।

परेंटल क्लासेज लें

परेंटल क्लासेज में गर्भावस्था व गर्भावस्था के बाद के महीनों से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताई जाती हैं। बच्चे व मां से जुड़ी बातों की समझ रखने वाले एक्सपर्ट ही इन क्लासेस को चलाते हैं ताकि महिला अपनी कोई भी समस्या इन्हें खुल के बता सकें। इसके अलावा, वे नॉर्मल डिलिवरी पाने के लिए जरूरी कसरत भी सिखाते हैं।



पीला रंग के फल व सब्जियां में सेहत के राज

पपीता, बेल, केला, कद्दू यह सब खुशी के रंग होते हैं। इनमें लाइकोपीन, बिटामिन-ए, सी, पोटेशियम, फलेवोनायड पाया जाता है ये पोषक पदार्थ ब्लडप्रेशर को नियंत्रिता करते हैं। इनके सेवन से कब्ज और गले की जलन से छुटकारा मिलता है। यह आपकी हेल्थ के अलावा बालों में चमक लाते है।



घरेलू उपायों से करें हैंगनेल का उपचार

नाखून के किनारों पर उतरने वाली खाल को हैंगनेल यानी क्यूटिकल्स कहते हैं, मेनीक्योर के दौरान आप अपने क्यूटिकल्स को अगर नियमित पुश करवाएंगे तो उनको काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्यूटिकल नाखूनों के ऊपर की त्वचा होती है। नाखूनों को सेहतमंद रखने के लिए हाईड्रेशन बहुत जरूरी है। नाखूनों के हाइड्रेशन के लिए क्यूटिकल ऑयल लगाना अनिवार्य होता है। अगर आप के क्यूटिकल बहुत नाजुक हैं, तो नाखूनों केआस-पास की जगह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं, जिससे नमी बनी रहे और नाखूनों को मजबूती मिले।





कई लोगों को लगता है कि लोग उनके बारे में गलत बोल रहे हैं और उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। ऐसे लोग शक के चलते अन्य लोगों लड़ पड़ते हैं, लेकिन हकीकत में उनका शक गलत होता है। कोई अपने पति पर तो कोई अपनी पत्नी या प्रेमिका पर शक करता है। इसके चलते क्राइम के कई मामले सामने आते हैं। शक की बीमारी को मनोविज्ञान मे डिल्यूशन डिसऑर्डर यानी भ्रम कहते हैं। यह गलत, कट्टर, और पक्के विश्वास से बनी हुई सोच या विचार होते हैं जिसको मानने की कोई वजह नहीं होती है और मरीज फिर भी उस सोच या विचार को पक्के विश्वास के साथ मानकर चलता है। वह उस खयाल के अलावा कुछ और मानने के लिए तैयार ही नहीं होता। उसे लगता है कि जो वह सोच रहा है या फिर कर रहा है वह सब सही है और बाकी सब गलत। डिल्यूशन कई तरह के होते हैं। यहां हम इनके बारे में जानेंगे।

नियंत्रण का भ्रम: इसमें मरीज में एक ऐसा गलत विश्वास या सोच बैठ जाती है कि उसके मन,उसके विचार, या बर्ताव पर किसी दूसरे इंसान का कंट्रोल होता है।

बेवफाई का भ्रम: मरीज को लगता है कि उसके पति या पत्नी का किसी और से अफेयर चल रहा है। अकसर इस भ्रम से भ्रमित इंसान सबूतों को बटोरने की कोशिश करता रहता है और जो वास्तव में होते ही नहीं।

खुद को आरोपी मानने का भ्रम: ऐसे भ्रम में मरीज पश्चाताप या अपराधी होने की गलत भावना का शिकार होता है। उदाहरण के तौर पर उस इंसान को लगता है कि सुनामी, भूकंप आने जैसी घटनाओं के लिए वह जिम्मेदार है क्योंकि उसको ऐसा सपना आया था या फिर उन घटनाओं से पहले वह इनके बारे मे सोच रहा था।

ऐरोटमनी: यह सोच रखना कि कोई इंसान उससे प्यार करता है। ऐसे इंसान को लगता है कि किसी दूसरे इंसान ने खास तरीकों से जैसे नजरें मिलाकर, इशारे कर उसके प्रति अपने प्यार का इजहार किया है।

भव्य भ्रम: इसमे इंसान सोचता है कि उसमें कुछ विशेष शक्तियां ,बहुत ताकत, जानकारी या क्षमताएं मौजूद हैं जो किसी दूसरे मे नहीं है। ऐसा रोगी यह समझ लेता है की दुनिया उसका वजह से ही सुरक्षित है।



मन की बात को पढ़ने का भ्रम: इसमें इंसान सोचता है कि वह किसी के भी मन या दिमाग की बात आसानी से पढ़ सकता है।

संदर्भ का भ्रम: इसमे इंसान को लगता है कि उसके चारों तरफ होने वाली घटनाएं उससे जुड़ी हुई हैं। उसे लगता है की आसपास उसके बारे में ही बातें हो रही हैं।

दैहिक भ्रम: इसमे इंसान को बिना किसी वजह से लगता है कि वह बीमार है या फिर उसके शरीर के ऊपर कीड़े रेंग रहे हैं जबकि असली मे ऐसा कुछ नहीं होता।



उत्पीड़न का भ्रम: इसमे इंसान को लगता है की लोग उसके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। पीछा किया जाना, जासूसी, परेशान करना, धोखा देना, जहर देना, हमला होना, अड़चनें पैदा करना, चोरी या नशा करवाना, अपने खिलाफ साजिश, जासूसी, हमला होना जैसे विषय शामिल हैं।

क्यों होती है यह बीमारी: यह बीमारी दिमाग में डोपामाइन नाम के एक न्यूरोट्रांसमीटर की मात्रा बढ़ जाने के कारण होती है। अगर आपके आस पास किसी इंसान मे ऐसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत उसके घर वालों को इस बीमारी के विषय मे बताएं। भारत मे मनोविज्ञान के बारे में ज्यादा जागरूकता न होने की वजह से छोटी छोटी दिक्कतें बड़ी बीमारी का रूप ले लेती हैं और उसका इलाज तब करवाया जाता है जब इंसान पूरी तरह से मानसिक रोगी बन चुका होता है। तेजाब फेंकना, छोटी छोटी बातों पर बिना बात पर हंगामा खड़ा करना, बेवजह ज्यादा शक करना सब इसी बीमारी के लक्षण हैं।

हैल्थ फैक्ट्स

कुछ सप्लीमेंट्स की जरूरत नहीं...



हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ शरीर के लिए हमें कुछ विटामिन्स और मिनरल्स लेने की आवश्यकता होती है। विभिन्न कार्यों को करने के लिए शरीर को इनकी आवश्यकता होती है परन्तु शरीर पर्याप्त मात्रा में इनका उत्पादन नहीं कर पाता। हालांकि हाल ही में की गई खोज के अनुसार यह पता चला है कि हमारे शरीर को कुछ विटामिन्स और सम्पूरकों की आवश्यकता नहीं होती। मिनरल्स और विटामिन्स को अक्सर माइक्रोन्यूट्रियंट कहा जाता है क्योंकि शरीर को बहुत कम मात्रा में इनकी आवश्यकता होती है। कैल्शियम, विटामिन डी और के, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस आपकी हड्डियों को टूटने से बचाता है। विटामिन डी पाचन तंत्र से होकर जाने वाले खाद्य पदार्थों से कैल्शियम अवशोषित करने में सहायक होता है न कि हड्डियों से।

अनेक बी विटामिन्स कुछ को एंजाइम्स के मुख्य घटक होते हैं जो खाद्य पदार्थों से ऊर्जा प्राप्त करने में सहायक होते हैं। विटामिन बी6, बी12 और फोलिक एसिड, एमिनो एसिड को पचाने में सहायक होते हैं जो कोशिकाओं के गुणन में सहायक होता है। आम धारणा के विपरीत पानी में घुलनशील कुछ विटामिन्स शरीर में लंबे समय तक रहते हैं। आपका लीवर कई वर्षों तक विटामिन बी12 की आपूर्ति करता है। आइए उन विटामिन्स और मिनरल्स के बारे में जाने जिन्हें लेने की आवश्यकता नहीं होती। सबसे पहला है कैल्शियम के सप्लीमेंट्स। अक्सर महिलाओं को मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम के सप्लीमेंट्स लेने के लिए कहा जाता है।



वर्तमान में की गई खोज के अनुसार इसके कारण किडनी में स्टोन, धमनियों का कड़ा होना और हार्ट संबंधी समस्याएं होने की आशंका होती है। इसके बजाय फिश, हरी पत्तेदार सब्जियां और बादाम का सेवन करें। इनमे कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। वर्तमान खोज के अनुसार विटामिन ई के कारण कैंसर हो सकता है। पहले अल्जाइमर, मोतियाबिंद, दिल की बीमारी आदि बीमारियों से बचने के लिए विटामिन ई लेने की सलाह दी जाती थी। आयोडीन के सप्लीमेंट्स लेने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह अवश्य लें क्योंकि आयोडीन की थोड़ी भी अधिक मात्रा से हाइपोथाइरोइडिज्म के शिकार हो सकते हैं। अतः आयोडीन की मात्रा लेते समय सावधान रहें। आयरन सप्लीमेंट्स लीवर और अन्य अंग जैसे पेन्क्रियास और हार्ट को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अतः- डॉक्टर की सलाह लें और देखें कि क्या वास्तव में आपको आयरन के सप्लीमेंट्स लेने की आवश्यकता है या नहीं। विटामिन बी6 संपूरक से नसों में असामान्य उत्तेजना उत्पन्न होती है। अतः कोई भी संपूरक लेने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

कम समय में एक्टिव रहने के उपाय

ऑफिस में थकान दूर कर रहें फिट

सुबह की भागदौड़ और लंबे वर्किंग आवर्स की वजह से ऑफिस जाने वाले लोगों में अक्सर थकान, कमजोरी, नर्वस ब्रेकडाउन, बॉडी पेन की शिकायतें मिलती हैं।

सुबह ऑफिस जाने की जल्दी में न तो ठीक से नाश्ता होता है और न ही एक्सरसाइज। इस वजह से सुबह उठकर भी हम फ्रेश महसूस नहीं करते हैं। स मय की कमी की वजह से ये सब होता है। इसलिए हम आपको बता रहे हैं 5 ऐसे ट्रिक्स। इसकी मदद से आप ऑफिस में सुबह से लेकर शाम तक रह सकते हैं फ्रेश और एक्टिव।

स्ट्रेचिंग

लंबे वक्त तक लैपटॉप और कंप्यूटर पर काम करने की वजह से शरीर और आंखों में दर्द होता है। इससे निजात पाने के लिए स्ट्रेचिंग एक बेहतर उपाय है। इसके लिए आप अपनी सीट से कुछ देर के लिए उठिए। दोनों हाथों को ऊपर उठाकर स्ट्रेच करिए। हाथों की अंगुलियों को घुमाएं। इस सब से मांस-पेशियों में खिंचाव आएगा और खून का बहाव भी सामान्य होगा।

तनाव को रखें दूर

ऑफिस में काम को लेकर तनाव होना आम बात है। अच्छा है कि 2-3 घंटों तक लागातार काम करने के बाद कुछ देर के लिए रेस्ट लें। दिमाग को डायवर्ट कर रिलैक्स मोड पर डाल दें।



आंखों को करें रिलैक्स

ज्यादा देर तक कंप्यूटर पर टकटकी लगाकर न देखें। हर एक घंटे में थोड़ी देर के लिए आखों को बंद कर लें। इससे आंखों पर लगातार पड़ रहे दबाव से मुक्ति मिलेगी। आंखें रिलैक्स होंगी। 30 सेकन्ड के लिए पलकों को बार-बार बंद करें और खोलें। यह आंखों की अच्छी एक्सरसाइज है।

मील

दिन में एक बार जमकर खाने से बेहतर है कि हर दो घंटों में एक कंप्लीट मील लें। इसके लिए जरूरी है कि आपकी हर मील पोषक तत्वों से भरी होनी चाहिए। इस मील में फ्रूट्स, वेजिटेबल्स, चना, पोहा खाना चाहिए। यह हेल्दी होने के साथ ही आसानी से पच भी जाता है। पोषक तत्वों से भरी ये मील आपको एनर्जेटिक भी रखेगी।

वाकिंग

दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना सेहत के लिए बहुत खराब हो सकता है। इससे पेट पर फैट बढ़ने के साथ ही बैकबोन संबंधी बीमारी की शिकायत भी हो सकती है। बेहतर है कि कुर्सी से उठकर बीच-बीच में 5-10 मिनट की वॉक लेते रहें।

रेसिपी



पेड़े की खीर

सामग्री

1 लीटर दूध
250 ग्राम पेड़े
150 ग्राम पनीर
चुटकीभर केसर (दूध में भिगोए हुए)
1/2 टीस्पून इलायची पाऊडर
1/4 कप मिक्स ड्राई फ्रूट्स (बारीक कटे हुए)
जरूरत अनुसार चीनी

विधि

पेड़े और पनीर को कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में दूध, चीनी डाल कर इसको गाढ़ा होने तक उबाल लें और आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ पनीर-पेड़ा भिगोए और केसर, इलायची पाऊडर डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर इसको फ्रिज में 3-4 घंटे तक ठंडा होने के लिए रखें। जब यह ठंडा हो जाएं तो इसमें मिक्स ड्राई फ्रूट्स डालकर सर्व करें।



खीरे के पकौड़े

सामग्री

1 कप सिंघाडे का आटा
2 चम्मच सेंधा नमक
1/2 छोटा चम्मच मिर्च पाऊडर
1/2 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर
2-4 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
2 खीरा (पतली स्लाइस कटी हुई)
तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में सिंघाडे का आटा, सेंधा नमक, मिर्च पाऊडर, धनिया पाऊडर, हरी मिर्च और पानी डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अच्छी तरह से फेंट लें। अब एक कड़ाही में तेल गर्म कर लें। अब खीरे के स्लाइस को बने हुए पेस्ट में डूबोकर कड़ाही में डालकर सुनहरे रंग होने तक फ्राई करें। गरमा-गरम खीरे के पकौड़े तैयार है। इसे हरी चटनी के साथ सर्व करें।

वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर को बनाएं बेहतर

वैलनैस इंडस्ट्री के तहत विभिन्न तंदुरुस्ती तथा सौंदर्य सेवाएं आती हैं, जिनका आनंद कोई व्यक्ति किसी सैलून अथवा केंद्र में उठा सकता है। पहले यह एक असंगठित उद्योग था, लेकिन अब देश के सकल घरेलू उत्पाद यानि देश की आय में इसका योगदान महत्वपूर्ण है। एक अध्ययन के अनुसार देश में वैलनैस इंडस्ट्री के इस वर्ष के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का कारोबार करने का अनुमान है। इसमें आपके लिए बेहतर कॅरियर के विकल्प मौजूद हैं।

प्रशिक्षण संस्थान...

हाल के वर्षों में वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर बनाने का प्रशिक्षण देने वाले देश में कई संस्थान खुले हैं। ये संस्थान वैलनैस के क्षेत्र में ट्रेनिंग व एजुकेशन प्रदान कर रहे हैं। मंत्रा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फिटनेस मैनेजमेंट, ओरिएंट स्पा इंस्टीट्यूट, एनएसएचएम उड़ान स्किल्स फाऊंडेशन जैसे कुछ संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोग्राम्स तथा कोर्सेज करवा रहे हैं। ग्लोबल इंडियन ब्यूटी एक्स्पो 2014 आदि इसी का उदाहरण है। देश में वैलनैस इंडस्ट्री में उज्ज्वल भविष्य बनाने की अपार संभावनाएं हैं।



स्वरोजगार के भी अच्छे मौके...

यह भी अच्छी बात है कि जो लोग इस सेक्टर में स्वरोजगार शुरू करना चाहते हैं उन्हें भी वैलनैस से जुड़ी यूनिट्स खोलने के लिए आरंभ में ही अधिक धनराशि की जरूरत नहीं होती तथा न ही अधिक लोगों की जरूरत पड़ती है। इसलिए हम कह सकते हैं कि इस क्षेत्र में आपके लिए बेहरत कॅरियर विकल्प मौजूद है।

अपार संभावनाएं...

भारत आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट्स तथा योगा के लिए एक ग्लोबल सेंटर बनता जा रहा है। हर्बल कॉस्मैटिक्स सेक्टर भी भारतीय वैल्नेस इंडस्ट्री में अपनी जगह पक्की करता जा रहा है। अनुमान है कि इसमें 7 प्रतिशत की दर से विकास होगा, क्योंकि अधिक से अधिक लोग रासायनिक उत्पादों को छोड़कर जैविक उत्पादों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में न्यूट्रास्यूटिकल्स, स्लिमिंग टी, डाइटरी सप्लीमेंट्स आदि का सेवन भी कई गुणा बढ़ रहा है। इस सेग्मेंट के भी वर्ष 2016 तक बढ़कर 3212.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर होने की अपेक्षा है। वहीं ग्लोबल वैलनैस टूरिज्म सेग्मेंट के भी आम पर्यटन की अपेक्षा 50 प्रतिशत तेजी के साथ बढ़ने की संभावना है।

संपादकीय

अश्लीलता की लीला

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज-सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे-धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी? वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है।

सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी? वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों के चलते आज बच्चों के नायक व आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने ब्रह्मचर्य के भारतीय दर्शन को ताक पर रख दिया है। इसका प्रभाव बच्चों के शैक्षिक प्रदर्शन व एकाग्रता पर भी पड़ेगा। दुखद है कि बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री से अपरिपक्व उम्र में रूबरू हो रहे हैं। फलतः अल्पवयस्कों में यौन अपराधों की वृद्धि घातक स्तर तक पहुंच रही है। इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए घर और स्कूल में बच्चों को सोशल मीडिया के स्याह पहलुओं से अवगत कराना जरूरी है।

घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए आईइएए कानून 1950 का हो उपयोग

घुसपैठियों के निष्कासन का ठंडे बस्ते में पड़ा कानून

यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित षाह जिस तरह से कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखे हमले बोल रहे हैं, उससे साफ है कि सत्तारुढ़ दल किसी भी प्रकार के मनगढंत नैरेटिव के दबाव में नहीं है। यह मानसिकता देषहित के लिए इस संक्रमण काल में अत्यंत जरूरी है। क्योंकि भारत ही नहीं अनेक यूरोपीय देष मुसलमानों के बढ़ते जनसंख्यात्मक घनत्व और इस्लामिक कट्टरता से जूझ रहे हैं। इसीलिए कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन को लेकर तीखा बयान देकर कहा था कि फ्रांस की राजधानी पेरिस जल्दी ही 'मुस्लिम नगर' बन जाएगा। क्योंकि फ्रांस ने देश की सीमाओं पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं किया, जिसका दंड अब पूरा फ्रांस भुगत रहा है। ब्रिटेन भी फ्रांस जैसी स्थिति से दो-चार हो रहा है। ऐसे में भारत को जरूरी हो गया है कि वह अब अतिरिक्ति सतर्कता एवं कठोरता बरतते हुए मुस्लिम घुसपैठियों को अपने देष की सीमाओं से खदेड़ने का काम करे। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए भारतीय संसद द्वारा विभाजन के तत्काल बाद 'इमिग्रेंट्स एक्सपल्षन फ्रॉम असम एक्ट, 1950 यानी असम अप्रवासी निश्कासन अधिनियम 1950 अस्तित्व में लाया गया था, उसका पालन देष करे। यह कानून तात्कालिक घुसपैठियों को निश्कासन करने की दृश्टि से 1 मार्च 1950 को बना था। इसका बनाया जाना इसलिए भी जरूरी था, क्योंकि भारत विभाजन 1947 से 1950 के बीच तबके पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान में बांग्लादेष) से बहुत बड़ी संख्या में लोग असम में घुस रहे थे। इस कारण असम के स्थानीय समुदायों, जनजातियों और वहां के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ने लगा था। स्थानीय समुदाय जनजातीय संस्कृति, जनसांख्यिकी और लोकहित के संरक्षण की दृश्टि से अस्तित्व में लाया गया था। इस कानून का मुख्य लक्ष्य असम से अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना था। किंतु इसी समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान के बीच एक समझौता हो गया। इसके तहत अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा का वादा किया गया था। इस वादे के पालन में नेहरू ने इसके क्रियान्वयन को कुछ समय के लिए टाल दिया। इस कारण यह अहम् कानून दषकों तक ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। लेकिन असम में भाजपा की सरकार बनने के बाद करीब 75 साल बाद 2025-26 में असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा षर्मा ने इस ठंडे बस्ते में पड़े कानून की धूल झाड़ी और असम सरकार ने ट्रिब्यूनल द्वारा विदेषी घोशित किए गए अवैध घुसपैठियों को बहुत ही कम समय, मात्र 24 घंटे के नोटिस पर देष से बाहर निकालने के लिए इसे पूनर्जीवित कर इसका कारगर इस्तेमाल षुरू कर दिया है। इस कानून की धाराओं में घुसपैठियों के निश्कासन की ऐसी षक्तियां अधिकारियों को दी गई हैं कि वे 24 घंटे के नोटिस पर ऐसे व्यक्ति और समूहों को देष से बाहर कर सकते हैं, जो अनुसूचित जनजातियों के हितों पर कुठाराघात करने में लगे हैं। इसी कानून के अनुसार प्रषासन घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए पुलिस को बल प्रयोग का अधिकार भी देता है। यदि असम का कोई मूल नागरिक घुसपैठियों को संरक्षण देता है, तो ऐसे व्यक्ति पर कानूनी प्रतिक्रिया के तहत 3 वर्श की जेल और जुर्माने की सजा हो सकती है। इस कानून में ऐसे अधिकारियों को पूरा संरक्षण दिया गया है, जो घुसपैठियों को बाहर करने का आदेष देते हैं। इन अधिकारियों के विरुद्ध न तो कोई कानूनी मामला चलेगा और न ही किसी भी प्रकार की कार्यवाही की जा सकेगी। सीधे-सीधे कहे तो यह कानून न्यायालय या ट्रिब्यूनल की लंबी कानूनी प्रक्रियाओं के बिना अवैध विदेशी प्रवासियों को असम से बाहर करने की ताकत देता है। घुसपैठियों को बाहर करने की दृश्टि से इस कानून को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। क्योंकि जिन राज्यों में घुसपैठियों को मतदाता का हक देकर कांग्रेस व अन्य दलों की सरकारें बनी हैं, वहां इनके संरक्षण के उपाय करके देष की अखंडता व संप्रभुता को चुनौतियां दी जा रही हैं। राहुल गांधी वोट चोरी के बहाने इन्हीं घुसपैठियों के संरक्षण में लगे हैं। जबकि हकीकत यह है कि जिन 13 करोड़ मतदाताओं को मतदाता सूचियों से बाहर किया गया है, उनमें 6.30 करोड़ वे मतदाता हैं, जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं और वहां के मतदाता भी बन गए हैं। करीब 2.80 करोड़ वे हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। 1 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम दो या तीन जगह दर्ज थे, इन्हें सूची से विलोपित कर दिया गया है, लगभग 3 करोड़ मतदाता ऐसे हैं, जो सत्यापन के समय मतदाता पहचान पत्र पर दिए पते पर उपस्थित नहीं मिले। इस परिप्रेक्ष्य में गृहमंत्री अमित षाह ने दो टूक कह दिया है कि ये तीन करोड़ मतदाता वास्तव में घुसपैठिए हैं, अतएव इनके मतदाता सूची से नाम हर-हाल में बाहर किए जाएंगे। ये घुसपैठिये इसलिए है, क्योंकि इनकी जानकारी पड़ोसियों को भी नहीं है। दरअसल असम, त्रिपुरा और पष्चिम बंगाल के ये घुसपैठिये मतदाता राज्य सरकारों की सख्ति के चलते अन्यत्र पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

भारत ही नहीं अनेक यूरोपीय देष मुसलमानों के बढ़ते जनसंख्यात्मक घनत्व और इस्लामिक कट्टरता से जूझ रहे हैं। इसीलिए कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन को लेकर तीखा बयान देकर कहा था कि फ्रांस की राजधानी पेरिस जल्दी ही 'मुस्लिम नगर' बन जाएगा। क्योंकि फ्रांस ने देश की सीमाओं पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं किया, जिसका दंड अब पूरा फ्रांस भुगत रहा है। ब्रिटेन भी फ्रांस जैसी स्थिति से दो-चार हो रहा है। ऐसे में भारत को जरूरी हो गया है कि वह अब अतिरिक्ति सतर्कता एवं कठोरता बरतते हुए मुस्लिम घुसपैठियों को अपने देष की सीमाओं से खदेड़ने का काम करे। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए भारतीय संसद द्वारा विभाजन के तत्काल बाद 'इमिग्रेंट्स एक्सपल्षन फ्रॉम असम एक्ट, 1950 यानी असम अप्रवासी निश्कासन अधिनियम 1950 अस्तित्व में लाया गया था, उसका पालन देष करे।

बंगाल, असम, त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बांग्लादेषी और म्यांमार के रोहिंग्या घुसपैठियों के चलते स्थानीय बनाम विदेषी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। असम के लोगों की षिकायत है कि बांग्लादेष म्यांमार से बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृशि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं। इस कारण राज्य का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी बोडो आदिवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। कांग्रेस, वामदल, सपा और तृणमूल कांग्रेस भली-भांति जानते हैं, कि इन घुसपैठियों ने छल-छदम् से हर तरह के पहचान-पत्र प्राप्त करके स्वयं को भारतीय नागरिक बना लिया है, क्योंकि इन दलों की राश्ट्र सुरक्षा से कहीं अधिक मजबूत इच्छा ऐन-केन-प्रकारेण राज्य की सत्ता हासिल करने की रही है। इस संकीर्ण राजनीतिक कारण के चलते घुसपैठिये इनके हित संरक्षक इसलिए हो गए, क्योंकि ये दल अपना निजी वोट बैंक बनाने में सर्वथा नाकाम हो गए हैं। इसीलिए कांग्रेस जैसी महत्वपूर्ण पार्टी पष्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेष से लगातार चार दषक से सत्ता से बाहर खड़ी है। दरअसल बांग्लादेषी और रोहिंग्या घुसपैठीये एक मर्तबा षरणार्थी बने रहते, तब तक तो ठीक था, लेकिन भारतीय गुप्तचर संस्थाओं को जो जानकारियां मिल रही हैं, उनके मुताबिक, पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था इन्हें प्रोत्साहित कर भारत के विरुद्ध उकसा रही है। सऊदी अरब से धन की आमद इन्हें धार्मिक कट्टरपंथ का पाठ पढ़ाकर आत्मघाती जिहादियों की नस्ल बनाने में लगी है। बांग्लादेष इन्हें हाथियारों का जखीरा उपलब्ध करा रहा है। जाहिर है, ये जिहादी उपाय भारत के लिए किसी भी दृश्टि से शुभ नहीं हैं। लिहाजा समय आ गया है कि जो आतंकवादी और घुसपैठिए देश की एकता अखंडता और संप्रभुता को सांगठनिक चुनौती के रूप में पेश आ रहे हैं, उन्हें देश से बेदखल किया जाए।

देश दुनिया से

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दिल्ली में संवाद : नई शुरुआत या पुरानी

दिल्ली के भव्य सभागार में जब शंघाई सहयोग संगठन के सभ्यता संवाद मंच का दीप जल रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन से पहले पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मसूद की मौजूदगी की खबर सुर्खियों में आ रही है, तब कूटनीति के गलियारों में उत्साह और आशंका की मिली जुली हवा बहने लगती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार किसी पाकिस्तानी मंत्री का भारतीय धरती पर कदम रखना अपने आप में एक बड़ी घटना है, मगर सवाल यह है कि क्या केवल मंच साझा करने से सदियों का अविश्वास पिघल सकता है या यह महज कैमरों की चमक में दर्ज होने वाली एक औपचारिकता भर है। सरकारी आंकड़ों और थिंक टैंक की रिपोर्टों के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच औपचारिक द्विपक्षीय व्यापार का आंकड़ा कई वर्षों से दो अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है, जबकि सीमा पार अनौपचारिक व्यापार के अनुमान तीन से पांच अरब डॉलर तक बताए जाते हैं। दूसरी ओर दक्षिण एशिया में कुल अंतर क्षेत्रीय व्यापार का हिस्सा पांच प्रतिशत से भी कम है, जो दुनिया के अन्य आर्थिक गुटों की तुलना में बेहद मामूली है। जब हम सभ्यता संवाद की बात करते हैं तो आंकड़ों की यह कठोर जमीन हमें याद दिलाती है कि इतिहास की फाइलों में दर्ज दावे और जमीनी हकीकत के बीच अक्सर एक गहरी खाई होती है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि सभ्यता का नाम लेकर बुलाए गए मंच पर अक्सर उन सवालों को चुपचाप किनारे रख दिया जाता है जिनका संबंध आम इंसान की रोटी, सुरक्षा और गरिमा से होता है। ऋग्वेद में कहा गया है कि आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः, यानी चारों दिशाओं से कल्याणकारी विचार हमारे पास आएं, मगर विचार तभी कल्याणकारी होते हैं जब उनके पीछे नीयत साफ हो और शब्दों का वजन व्यवहार से साबित हो। महाभारत के शांति पर्व में भीष्म पितामह ने राज्यधर्म और संधि के संदर्भ में यह स्पष्ट किया था कि अविश्वास की नींव पर खड़ी कोई भी व्यवस्था स्थायी नहीं हो सकती। यदि हम आधुनिक कूटनीति को देखें तो राजनीतिशास्त्री हंस मॉर्गेंथाऊ ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक पॉलिटिक्स अमंग नेशंस में लिखा था कि राष्ट्र अपने हितों को नैतिकता और सभ्यता की भाषा में लपेटकर पेश करते हैं। ऐसे में जब दिल्ली के मंच से सभ्यता की साझा विरासत की बातें गूंजेंगी, तब यह पूछना लाजिमी है कि क्या यह संवाद सचमुच आम नागरिकों के जीवन में कोई ठोस बदलाव लाएगा या फिर यह केवल कूटनीतिक शतरंज की एक नई चाल है। दक्षिण एशिया के इतिहास में ऐसे कई दृष्टांत मिलते हैं जहां बड़े सम्मेलनों और सांस्कृतिक मुलाकातों के बावजूद जमीनी तनाव कम नहीं हुआ। पुराने समय में जब राजाओं के दरबारों में दूत भेजे जाते थे, तब स्वागत सत्कार की कमी नहीं होती थी, पर असली परीक्षा संधि की शर्तों के पालन में होती थी। कहावत है कि हाथी के दांत खाने के और और दिखाने के और होते हैं, और दक्षिण एशिया की कूटनीति में यह कहावत बार बार सच साबित होती दिखती है। वैश्विक शांति सूचकांक के आंकड़े बताते हैं कि दक्षिण एशिया दुनिया के सबसे कम शांतिपूर्ण क्षेत्रों में गिना जाता है, जहां रक्षा बजट पर होने वाला खर्च स्वास्थ्य और शिक्षा के बजट के मुकाबले अक्सर भारी पड़ता है। भारत का वार्षिक रक्षा बजट छह लाख करोड़ रुपये से अधिक के स्तर पर पहुंच चुका है, जबकि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यक्रमों और कर्ज की शर्तों के सहारे संभलने की कोशिश करती रही है। जब दोनों पड़ोसी देशों की जनता महंगाई, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रही हो, तब सभ्यता संवाद के मंच पर होने वाले भाषणों की कसौटी केवल तालियों की गड़गड़ाहट नहीं हो सकती। सभ्यता की असली पहचान किसी आलीशान सम्मेलन कक्ष में पढ़े गए लिखे हुए भाषण से नहीं, बल्कि उस संवेदना से होती है जो सीमा के दोनों तरफ रहने वाले साधारण लोगों के दुख को समझती है। उपनिषदों में सत्यमेव जयते के साथ साथ वसुधैव कुटुंबकम् की जो कल्पना की गई है, वह कोई आसान नारा नहीं बल्कि एक कठिन साधना है। यदि हम साहित्य की दुनिया में झांकें तो मुंशी प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में बार बार यह दिखाया कि सत्ता और राजनीति के खेल में सबसे ज्यादा पिसता वही आदमी है जिसके पास खोने के लिए कुछ खास नहीं होता। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पैदा हुए तनाव और उसके बीच एक पाकिस्तानी मंत्री की दिल्ली मौजूदगी को देखकर आम आदमी के मन में यह स्वाभाविक सवाल उठता है कि क्या इस मुलाकात से सीमा पर तैनात जवानों की चिंता कम होगी या उन परिवारों को सुकून मिलेगा जिन्होंने संघर्ष की कीमत चुकाई है। कूटनीति में मुस्कुराते हुए हाथ मिलाना आसान है, मगर भरोसा कायम करना पहाड़ खोदने जैसा काम है। शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर ऊर्जा सुरक्षा, संपर्क मार्ग और आतंकवाद से मुकाबले जैसे मुद्दे हमेशा चर्चा के केंद्र में रहते हैं। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देश दुनिया की लगभग चालीस प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में उनकी हिस्सेदारी पच्चीस प्रतिशत से अधिक है। इतनी बड़ी आर्थिक और जनसांख्यिकीय ताकत होने के बावजूद इस मंच के भीतर के मतभेद अक्सर इसकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर सामने आते हैं। जब भारत और पाकिस्तान जैसे देश एक ही क्षेत्रीय मंच पर बैठते हैं, तब वैश्विक शक्तियां भी इस दृश्य को बारीकी से देखती हैं कि क्या यह क्षेत्र अपने भीतर के विवाद सुलझाने में सक्षम है या बाहरी ताकतों के प्रभाव में उलझा रहेगा।



आप का नजरीया

सोना कितना सोना

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति-रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवतः नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निर्धारण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को जोखिम-आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड-पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृत निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें। साथ ही उपभोक्ता को सुनार से विस्तृत बिल की मांग भी करनी चाहिए। सही मायने में, हॉलमार्किंग सोने के आभूषण पर लगा महज एक ठप्पा मात्र नहीं है।

मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवतः नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है।

कुछ अलग

भगवान विष्णु की सीख

विष्णु जी को तीनों देवों में श्रेष्ठ माना जाता है। इस संबंध में भृगु ऋषि से जुड़ी एक कथा प्रचलित है। जानिए यह कथा... कथा के मुताबिक, एक दिन सभी ऋषि-मुनियों के मन में एक प्रश्न उठा कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं में सबसे श्रेष्ठ कौन हैं? तीनों के गुण अलग-अलग हैं। ब्रह्माजी सृष्टि के रचयिता हैं, भगवान विष्णु पालनकर्ता हैं और भगवान शिव संहारकर्ता हैं। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए सभी ऋषियों ने भृगु ऋषि को चुना। उन्होंने कहा, आप तीनों देवताओं के पास जाकर उनके स्वभाव और व्यवहार की परीक्षा लें। भृगु ऋषि सबसे पहले ब्रह्मलोक पहुंचे। वहां ब्रह्माजी बैठे हुए थे। भृगु ऋषि ने उन्हें प्रणाम नहीं किया और सीधे उनके पास जाकर बैठ गए। ब्रह्माजी को उनका यह व्यवहार अच्छा नहीं लगा। उन्हें क्रोध आया, लेकिन उन्होंने स्वयं को शांत रखा। भृगु ऋषि उनके चेहरे के भाव देखकर समझ गए कि उन्हें यह व्यवहार पसंद नहीं आया।

दृष्टि कोण

रोजगार के लिए भस्मासुर न बन जाए एआई

यह नब्बे के दशक की बात है। उन दिनों आज की तरह गैस पाइपलाइन नहीं थीं। सिलेंडर आते थे। मथुरा का एक लड़का सिलेंडर लेकर आता। सिलेंडर लगाने के बाद पहला चाय का कप उसके लिए ही बनता। एक बार बातों-बातों में उसने बताया कि वह एक गांव से आता है। दलित कम्युनिटी से है। एम.ए., एम.एड. कर चुका है, लेकिन कहीं नौकरी नहीं मिली। जहां भी नौकरी के लिए जाता है, वहां पहले से ही कोई और नौकरी के लिए चुन लिया गया होता है। रिश्वत का बोलबाला है। रिश्वत के लिए पैसे कहां से लाए? उसकी बात सुनकर बहुत अफसोस हुआ। पिछले दिनों एक ई-रिक्शा में जा रही थी। चूंकि सोसायटी के सामने से रिक्शा लिया था, तो उसे चलाने वाला युवा बोला—आंटी जी, आप पत्रकार हो। मैंने कहा—हां। फिर हम बातें करने लगे। उसने बताया कि वह एम.टेक. है। पढ़ाई के लिए पिता ने साढ़े चार लाख का कर्ज लिया। सोचा था कि नौकरी मिलेगी, तो चुका दूंगा। लेकिन जहां भी नौकरी के लिए गया, दस हजार से ज्यादा देने को कोई तैयार नहीं हुआ। अब दिल्ली जैसे शहर में दस हजार में क्या खाऊं, क्या बचाऊं? कर्ज कैसे चुकाऊं? इसलिए मैंने नौकरी छोड़कर ई-रिक्शा चलाना शुरू कर दिया। इससे अच्छी आमदनी हो जाती है। जब रिक्शे से उतरकर आगे बढ़ी, तो बहुत सी बातें दिमाग में खलबली मचाती रहीं। एक लड़का आज से तीस साल पहले मिला था, एक अब मिला। दोनों की समस्याएं एक जैसी। खूब पढ़े-लिखे, गरीब, लेकिन पढ़ाई-लिखाई का कोई फायदा नहीं मिला। आधुनिकता के दौर के साथ-साथ दुनिया भर में यह मान लिया गया कि अगर जीवन में कुछ करना है, आगे बढ़ना है, पैसे कमाने हैं, तो पढ़ना-लिखना बहुत जरूरी है। बचपन से ही बच्चे को बताया जाता कि अगर पढ़ोगे-लिखोगे नहीं, मेहनत नहीं करोगे, तो इस जिंदगी में कुछ नहीं कर पाओगे। एक दौर ऐसा भी था कि पढ़ने-लिखने के बाद कोई न कोई नौकरी मिल ही जाती थी, लेकिन बेरोजगारी हमेशा ही हमारे देश की समस्या रही है। इसके लिए कभी अधिक आबादी, तो कभी कम औद्योगिकीकरण को जिम्मेदार माना जाता रहा है। जब कम्प्यूटर क्रांति हुई, तब कहा जा रहा था कि कम्प्यूट

पाकिस्तान के सामने टीम इंडिया-ए हुई पस्त

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में 48 रन से मिली हार, तिलक वर्मा का शतक और अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी भी नहीं आई काम

दोहा। राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 में इंडिया ए को पाकिस्तान ए के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के आठवें मुकाबले में पाकिस्तान ए ने भारत को 48 रन से पराजित किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ए ने दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 313 रन बनाए। जवाब में इंडिया ए की पूरी टीम आखिरी ओवर में 265 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ पाकिस्तान ए ने दो मैचों में लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जबकि इंडिया ए को दो मुकाबलों में पहली हार झेलनी पड़ी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम को शमील हुसैन और माज सदाकत ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 66 रन जोड़े। शमील 23 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 33 रन बनाकर आउट हुए। विकेटकीपर बल्लेबाज रोहेल नजीर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

माज सदाकत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक पूरा किया। वह 63 गेंदों में छह



चौके और एक छक्के की मदद से 59 रन बनाकर आउट हुए।हसन नवाज अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने कप्तान अब्दुल समद के साथ चौथे विकेट के लिए 68 गेंदों में 65 रन की साझेदारी की। अब्दुल समद 35 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद फरहान यूसुफ ने हसन नवाज का अच्छा साथ दिया। दोनों ने मिलकर 44 रन जोड़े। हसन नवाज 82 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 79 रन बनाकर आउट हुए, जबकि फरहान यूसुफ ने 48 गेंदों में 56 रन बनाए।मोहम्मद इमरान रंधावा ने 14 गेंदों में 23 रन बनाए, जबकि साद मसूद ने 13 गेंदों का सामना करते हुए नौ रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की पूरी पारी आखिरी ओवर में समाप्त हुई।भारत की ओर से प्रिंस यादव ने 60 रन देकर दो विकेट लिए। हर्षित राणा ने 77 रन देकर दो विकेट हासिल किए। सूर्यांश शेडगे और विपराज निगम ने भी दो-दो विकेट झटके, जबकि आयुष बडोनी को एक विकेट मिला।314 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत खराब रही। वैभव सूर्यवंशी 13 गेंदों में 11 रन बनाकर चौथे ओवर में आउट हो गए। अगले ओवर में आयुष बडोनी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान तिलक वर्मा शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए, लेकिन अभिषेक शर्मा ने टी-20 के अंदाज में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने मोहम्मद इमरान रंधावा के खिलाफ आठवें ओवर में 24 रन ठोक दिए। अभिषेक ने 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

न्यूज ब्रीफ

शुभमन गिल ने डब्ल्यूटीसी में रचा इतिहास, 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने



वेलिंगटन। भारतीय कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक से भले ही दो रन दूर रह गए, लेकिन उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। गिल डब्ल्यूटीसी के इतिहास में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में जारी मुकाबले के तीसरे दिन उन्होंने 98 रन की पारी खेली। उनके साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी 3000 रन का आंकड़ा पार कर लिया। गिल के नाम डब्ल्यूटीसी में अब 3015 रन दर्ज हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 43 मैचों की 77 पारियों में हासिल की है। इस दौरान उनका औसत 43 से अधिक रहा है। गिल ने प्रतियोगिता में अब तक 10 शतक और 10 अर्धशतक लगाए हैं। इस सूची में ऋषभ पंत दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत के नाम 43 मैचों की 75 पारियों में 3003 रन हैं। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक वह 55 रन बनाकर नाबाद थे और उनके पास अगले दिन गिल को पीछे छोड़ने का अवसर रहेगा। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं।

वनडे में पारी के अंत तक नाबाद रहे ये 5 सलामी बल्लेबाज



नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में पारी की पहली गेंद से लेकर अंतिम गेंद तक क्रीज पर टिके रहना और नाबाद पवेलियन लौटना एक ऐसी असाधारण उपलब्धि है, जिसे कैरीइंग द बैट कहा जाता है। यह असाधारण धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती से ही हासिल की जा सकती है। वनडे क्रिकेट के तेज रफ्तार दौर में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन कुछ दिग्गज बल्लेबाजों ने यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर अपनी टीमों के लिए अकेले किला लड़ाया है। 15 दिसंबर 1994 को सिडनी में जिम्बाब्वे के ग्रैंट फ्लावर ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी टीम के लिए यह कारनामा किया। उन्होंने संयमित अंदाज में नाबाद 84 रनों की पारी खेली, जबकि उनकी टीम 205 रनों पर सिमट गई। यह वनडे इतिहास में पहला मौका था जब किसी बल्लेबाज ने पूरी पारी में अपना बल्ला संभाले रखा और अंत तक नाबाद रहा। इसके कुछ ही महीनों बाद, 22 फरवरी 1995 को हरारे में पाकिस्तान के सईद अनवर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए इतिहास रचा। उन्होंने 103 रनों की शतकीय पारी खेली, लेकिन पाकिस्तान की पूरी टीम 219 रनों पर आलआउट हो गई, और अनवर नाबाद मैदान से बाहर आए। लक्ष्य का पीछा करते हुए यह कारनामा करने वाले वह पहले और इकलौते बल्लेबाज बने। 1 सितंबर 1996 को नाटिंघम में इंग्लैंड के निक नाइट ने पाकिस्तान के घातक तेज गेंदबाजों वसीम अकरम और वाकार यूनिस के सामने डटकर मुकाबला किया।

सैंडपेपर विवाद में जोश हेजलवुड का कमिंस को समर्थन, कप्तानी बदली तो संन्यास पर करेंगे विचार

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में वर्ष 2018 के सैंडपेपर विवाद को लेकर जारी बहस के बीच तेज



गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कप्तान पैट कमिंस का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने संकेत दिया है कि यदि आगामी टेस्ट सीरीज से पहले कमिंस को कप्तानी से हटाया जाता है तो वह अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। उनके इस बयान के बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में विवाद और गहरा गया है। यह पूरा मामला उस्मान ख्वाजा की किताब में किए गए दावों के बाद चर्चा में आया है। किताब में दावा किया गया है कि वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की घटना की जानकारी पूरी टीम को थी। इसके बाद कमिंस ने इन आरोपों को गलत बताते हुए अपना पक्ष रखा था। जोश हेजलवुड ने कहा कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्होंने मैदान पर सैंडपेपर या किसी अन्य बाहरी वस्तु के इस्तेमाल को देखा था। उन्होंने कमिंस की कप्तानी की सराहना करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाने के लिए शानदार काम किया है। हेजलवुड के मुताबिक, कमिंस के नेतृत्व में टीम की कार्यसंस्कृति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यदि पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मुकाबले में कमिंस कप्तान नहीं रहते हैं तो उनके लिए भी आगे की स्थिति पर विचार करना जरूरी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह कमिंस के बयान और उनके पक्ष का समर्थन करते हैं।

डफी का शर्मनाक रिकॉर्ड

33 ओवर में लुटाए 201 रन, जैकब डफी टेस्ट इतिहास के खराब गेंदबाजी रिकॉर्ड में शामिल; न्यूजीलैंड के लिए दूसरा सबसे महंगा स्पेल

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच बेसिन रिजर्व में खेला जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ विकेट पर 720 रन बनाकर पहली पारी घोषित कर दी। इस दौरान न्यूजीलैंड के गेंदबाज जैकब डफी की जमकर धुनाई हुई। उन्होंने अपने 33 ओवर के स्पेल में केवल एक विकेट हासिल किया और 201 रन खर्च कर दिए।





जैकब डफी ने इससे पहले खेले गए चार टेस्ट मैचों में 25 विकेट हासिल किए थे और उनकी इकोनॉमी तीन से भी कम थी। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजों के सामने उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

अब टेस्ट की एक पारी में 200 से अधिक रन देने वाले गेंदबाजों में सबसे खराब इकोनॉमी के मामले में डफी दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 6.09 की इकोनॉमी से रन लुटाए।

इस सूची में उनसे आगे पाकिस्तान के गेंदबाज जाहिद महमूद हैं, जिन्होंने वर्ष 2022 में रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ 33 ओवर में 235 रन खर्च किए थे।

न्यूजीलैंड के लिए दूसरा सबसे महंगा स्पेल

जैकब डफी न्यूजीलैंड के केवल तीसरे गेंदबाज हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में 200 या उससे अधिक रन दिए हैं।

वर्ष 1989 में स्टीफन बुक ने पाकिस्तान के खिलाफ 229 रन खर्च किए थे। वहीं, वर्ष 1999 में डेनियल विटोरी ने भारत के खिलाफ 200 रन दिए थे। इस तरह डफी न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट की एक पारी में सबसे ज्यादा रन देने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा रन खर्च करने वाले गेंदबाज

गेंदबाज प्रदर्शन	मुकाबला
स्टीफन बुक	1/229
पाकिस्तान, ऑकलैंड, 1989	
जैकब डफी	1/201
भारत, वेलिंगटन, 2026	
डेनियल विटोरी	4/200
भारत, अहमदाबाद, 1999	
मैथ्यू हार्ट	0/181
वेस्टइंडीज, वेलिंगटन, 1995	
मर्फी सुआ	0/179
वेस्टइंडीज, वेलिंगटन, 1995	

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में जैकब डफी केवल छठे तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने एक पारी में 200 से अधिक रन खर्च किए हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के खान मोहम्मद और फजल महमूद, भारत के कपिल देव, इंग्लैंड के इयान बॉथम तथा ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली यह अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं।

ऋषभ पंत ने जड़ा शानदार शतक

चौथे दिन भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बेहतरीन शतकीय पारी खेलते हुए 153 गेंदों में 128 रन बनाए।

ध्रुव जुरेल ने 79 गेंदों में 78 रन की शानदार पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38 रन का योगदान दिया, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए।

भारत का 720 रन का स्कोर टेस्ट क्रिकेट में उसका तीसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर है। पहली पारी के आधार पर भारत को 352 रन की बढ़त मिली।

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में बनाए 119 रन

दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत के पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

आरसीबी ने मजबूत टीम बरकरार रखी, लगातार तीसरी आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर नजर



नई दिल्ली

आईपीएल 2027 की तैयारियों के बीच मौजूदा चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी टीम को लेकर भरोसा जताया है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर का मानना है कि टीम ने पिछले सीजन में खिताब जीतने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखकर मजबूत आधार तैयार किया है। अब टीम की कोशिश आगामी मिनी नीलामी में जरूरत के अनुसार कुछ नए खिलाड़ियों को शामिल कर अपनी ताकत बढ़ाने की होगी। आरसीबी की नजर लगातार तीसरी आईपीएल ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचने पर है। एंडी फ्लावर ने टीम की रिटेंशन रणनीति पर संतोष जताते हुए कहा कि पिछले दो वर्ष फ्रेंचाइजी के लिए काफी शानदार रहे हैं। अब टीम इस चक्र के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रही है और मौजूदा संयोजन को लेकर प्रबंधन आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को रिलीज किया गया है, लेकिन नीलामी के जरिए टीम को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रहेगी।

मुख्य कोच ने स्वीकार किया कि आगामी नीलामी में आरसीबी के पास कुछ दूसरी टीमों की तुलना में खर्च करने के लिए सीमित राशि होगी। हालांकि, उन्हें इसकी चिंता नहीं है, क्योंकि टीम ने अपने ज्यादातर प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। उनके अनुसार, इन खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और आगामी सत्र में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2027 के लिए कुल 20 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें विराट कोहली, रजत पाटीदार, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, क्रुणाल पांड्या और देवदत्त पडिक्कल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इनके अलावा अभिनंदन सिंह, जैकब डफी, जितेश शर्मा, जार्डन कार्क्स, कनिष्क चौहान, नुवान तुषारा, रसिख डार, रोमारियो शेफर्ड, सुयश शर्मा, टिम डेविड, वेंकटेश अय्यर, विक्की ओस्तवाल और यश दयाल को भी टीम में बरकरार रखा गया है। रिटेंशन प्रक्रिया के दौरान आरसीबी ने छह खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बेथेल के अलावा मंगेश यादव, रिचर्ड ग्लीसन, सात्विक देसवाल, स्वप्निल सिंह और विहान मल्होत्रा शामिल हैं। टीम के पास 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली मिनी नीलामी के लिए 14.15 करोड़ रुपये शेष हैं। आरसीबी को अपने पांच खाली स्थान भरने हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सीमित बजट में उपयोगी खिलाड़ियों को शामिल करने की रणनीति पर काम करेगा।

अरनव खंडेलवाल को दोहरा खिताब, अंडर-18 और पुरुष एकल में बने चैंपियन



इंदौर। इंदौर के अरनव खंडेलवाल ने तृतीय मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट में दोहरा खिताब जीतकर अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने बालक अंडर-18 और पुरुष एकल वर्ग के फाइनल जीतकर दोहरी सफलता दर्ज की। महिला एकल में गणेशी आन्या, बालक अंडर-14 में गर्व मालपानी और बालिका अंडर-14 में आन्या राठी विजेता रहीं। मध्यप्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब द्वारा आयोजित और साहिल ग्रुप प्रायोजित स्पर्धा के फाइनल मुकाबले खेले गए। बालक अंडर-18 एकल के फाइनल में अरनव ने अहान गनात्रा को 6-4, 6-4 से हराया। पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में उन्होंने मयंक राजन को 6-4, 6-3 से पराजित किया। महिला एकल फाइनल में गणेशी आन्या ने ऋषिना त्रिपाठी को 6-2, 6-1 से हराया। बालक अंडर-14 वर्ग में गर्व मालपानी ने रुहान तलरेजा को 6-0, 6-0 से शिकस्त दी। बालिका अंडर-14 वर्ग में आन्या राठी ने राधा माहेश्वरी को 6-1, 6-1 से पराजित किया। अंडर-12 बालक एकल के फाइनल में अद्वित भार्गव ने रेयांश पटेल को 6-2, 6-2 से हराया। बालिका अंडर-12 वर्ग में ऐषवी जैन ने जानविका यादव को 6-4, 6-2 से शिकस्त देकर खिताब जीता।

पिंक बाल टेस्ट: इन 5 गेंदबाजों का रहा है दबदबा

नई दिल्ली

डे-नाइट टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के साथ गेंदबाजों का दबदबा एक अलग ही रोमांच पैदा करता है, खासकर जब फ्लडलाइट्स की रोशनी में गेंद स्विंग और सीम करने लगती है। पिंक बाल क्रिकेट के इतिहास में सबसे घातक और सफल गेंदबाजों में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का परचम सबसे ऊपर लहराता है। दिन-रात के टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने का महारिकार्ड आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के नाम दर्ज है, जिन्हें पिंक बाल टेस्ट का निर्विवाद बादशाह कहा जाता है।



उन्होंने साल 2015 से 2025 के बीच 15 मुकाबलों की 29 पारियों में 89 विकेट अपने नाम किए हैं, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 17.11 और इकोनामी रेट 3.11 का रहा है। उन्होंने 6 बार एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट झटके हैं। इस लिस्ट में दूसरा स्थान आस्ट्रेलिया के वर्तमान कप्तान पैट कमिंस का आता है। कमिंस ने 2017 से 2025 के दौरान 9 डे-नाइट टेस्ट मैचों की 17 पारियों में 43 विकेट हासिल किए, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 17.34 और इकोनामी रेट 2.79 का रहा। उन्होंने 2 बार एक पारी में 5 विकेट और 1 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। गुलाबी गेंद से केवल तेज गेंदबाज ही नहीं बल्कि स्पिनर भी अपना जादू चला सकते हैं, यह आस्ट्रेलिया के अनुभवी आफ स्पिनर नाथन लियोन ने साबित किया है, जो तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2015 से 2024 के बीच 13 टेस्ट मैचों की 22 पारियों में 43 विकेट लिए हैं, जिनका औसत 25.62 और इकोनामी 2.57 रही।

चौथे स्थान पर आस्ट्रेलियाई पेस अटैक के एक और मजबूत स्तंभ जोश हेजलवुड का कब्जा है। हेजलवुड ने 2015 से 2025 के दौरान 9 मुकाबलों की 17 पारियों में 40 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उनका गेंदबाजी औसत 18.50 और इकोनामी रेट 2.56 का बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने 2 बार एक पारी में 5 विकेट चटकाए। इस लिस्ट में शीर्ष पांच गेंदबाजों में आस्ट्रेलिया के बाहर का एकमात्र नाम इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का है। एंडरसन ने 2017 से 2023 के बीच 6 डे-नाइट टेस्ट मैचों की 10 पारियों में 16.25 के शानदार औसत और 2.12 की बेहद कसी हुई इकोनामी से 24 विकेट हासिल किए। इस सूची में सबसे बेहतरीन इकोनामी रेट एंडरसन का ही रहा है।

मिशन 2036: ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा, आईओसी के समक्ष 26 को प्रस्तुतिकरण

नई दिल्ली

भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी।

आईओए चुनाव में उनकी अध्यक्ष पद पर दावेदारी को लेकर पनपे विवाद के बाद यह सवाल खड़े हुए थे कि उषा इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी या नहीं, लेकिन खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डा. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

उषा के नहीं होने पर पड़ता नकारात्मक प्रभाव

इस ओलंपिक के लिए सात देशों की दावेदारी के बीच यह दावा जताने की प्रारंभिक प्रक्रिया है। आने वाले वर्षों में कुछ दौर की प्रक्रियाओं के बाद 2029 के मध्य में आईओसी 2036 के ओलंपिक मेजबान की घोषणा करेगा। सूत्र बताते हैं कि उषा की ओर से भी भारत की मेजबानी पर पक्ष रखा जाएगा। आईओए एसओएम के चुनाव में हार के बाद माना जा रहा था



कि खेल मंत्रालय और पीटी उषा के बीच दूरियां बन गई हैं। आईओए की ओर से उसकी स्वायत्तता में हस्तक्षेप की बात कर आईओसी को शिकायत भी की गई थी। जिस पर आईओसी ने आईओए से जवाब मांगा था, लेकिन देश सर्वोपरि की भावना के साथ उषा को इस प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। अगर उषा इस प्रस्तुतिकरण में नहीं होतीं तो इसका आईओसी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता।

आईओसी के सवालों के जवाब भी दिए जाएंगे

भारत की ओर से मेजबानी पर प्रस्तुतिकरण दिए जाने के बाद फ्यूचर होस्ट कमीशन की ओर से सवाल भी किए जाएंगे। खेल सचिव हरिरंजन राव के नेतृत्व में इसके जवाब दिए जाएंगे। सूत्र बताते हैं कि आईओसी के समक्ष देश में किस तरह खेल के अनुरूप तंत्र विकसित किया गया है, किस तरह खेलों में लैंगिक समानता पर जोर दिया गया है, इस पर प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। साथ ही मेजबान शहर अहमदाबाद में पहले से विकसित स्टेडियमों और इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारे में बताया जाएगा। साथ ही 2036 के लिए इस शहर में खेल स्टेडियमों और गेम्स विलेज को विकसित किए जाने की योजना के बारे में भी बताया जाएगा।

छह दशकों से अधिक का सफर



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लग्जरी लाइटिंग क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी प्रकाश लाइट्स ने कोकापेट स्थित नियोपोलिस में अपने चौथे प्रीमियम शोरूम का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में कंपनी की निदेशक बीना मेहता, प्रसिद्ध इंटीरियर डिजाइनर आमिर शर्मा एवं हमीदा शर्मा सहित शहर की कई प्रमुख सामाजिक, व्यावसायिक और कला जगत की हस्तियां उपस्थित रहीं। पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ शोरूम का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर बीना मेहता ने कहा कि प्रकाश लाइट्स का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और कलात्मक कारीगरी के माध्यम से रोशनी को इंटीरियर का आकर्षक हिस्सा बनाना है। नए शोरूम में भव्य झूमर, फ्लोर लैंप, आउटडोर एवं वॉल लाइट्स, टेबल लैंप और पेंडेंट लाइट्स की प्रीमियम रेंज उपलब्ध है।वर्ष 1958 में श्री मुकुंद लालमोहन मेहता द्वारा हैदराबाद के मोजमजाही मार्केट में स्थापित प्रकाश लाइट्स ने छह दशकों से अधिक के सफर में पाँच लाख से ज्यादा ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया है।

पिरगल निवास में गुरुभगवंत का मंगल आगमन



बेंगलूरु, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फूलों की नगरी बेंगलूरु स्थित पिरगल निवास में परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय नित्यानंद सूरीश्वरजी महाराज साहेब आदि ठाणा का भव्य मंगल आगमन हुआ। गुरुभगवंत के पावन आगमन से संपूर्ण पिरगल परिवार में अपार हर्ष एवं उल्लास छा गया। परिवार के सभी सदस्यों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

यह अवसर पिरगल परिवार के लिए अत्यंत भावुक एवं सौभाग्यशाली रहा, क्योंकि करीब 23 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद गुरुवर का पुनः पिरगल निवास में मंगल आगमन हुआ।

इस अवसर पर प्रकाश पिरगल ने सभी का आत्मीय स्वागत किया। उनके साथ निर्मल पिरगल, अशोक पिरगल एवं अन्य परिजनों ने गुरुभगवंत के चरणों में कोटि-कोटि वंदन करते हुए भावपूर्ण कृतज्ञता ज्ञापित की तथा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रो. बालकृष्ण रेड्डी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

संविधान दिवस पर 26 नवंबर को मिलेगा सम्मान; विधि शिक्षा, शोध एवं सार्वजनिक नीति में चार दशक के योगदान का सम्मान



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वरिष्ठ विधि प्रोफेसर, विधि विशेषज्ञ, विद्वान, लेखक एवं तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकृष्ण रेड्डी को 26 नवंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026 के लिए चयनित किया गया है।

तेलंगाना बुद्धिजीवी मंच के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज तथा सचिव डॉ. मोहम्मद अकबर अली ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

प्रोफेसर वी. बालकृष्ण रेड्डी ने पिछले 38 वर्षों से विधि क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने विधि शोधकर्ता, विशेषज्ञ, लेखक एवं शिक्षाविद् के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने व्याख्यानों एवं शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों और आम जनता में विधि संबंधी जागरूकता उत्पन्न करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय विधि में विधि स्नातकोत्तर (एलएलएम) की उपाधि प्राप्त की तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से पीएचडी की उपाधि हासिल की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने शमीरपेट स्थित नालसर विधि विश्वविद्यालय से भी एलएलएम की उपाधि प्राप्त की।

उन्हें अंतरराष्ट्रीय विमानन एवं अंतरिक्ष विधि के क्षेत्र में 12 वर्षों से अधिक का शिक्षण एवं शोध अनुभव है। नालसर विधि विश्वविद्यालय में उन्होंने प्रोफेसर, कुलसचिव तथा एयरोस्पेस एवं रक्षा अध्ययन केंद्र के प्रमुख के रूप में सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों में अतिथि प्रोफेसर के रूप में भी कार्य किया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अंतरिक्ष कानून से संबंधित मसौदा तैयार करने के लिए गठित समिति में उन्होंने सक्रिय सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने तेलंगाना मार्केट अधिनियम, 2006, आंध्र प्रदेश स्कूल विकास विधेयक, 2016, भूमि अधिग्रहण विधेयक, 2017 तथा तेलंगाना नगर निगम विधेयक, 2019 सहित विभिन्न कानूनों, नीतियों एवं विधायी दस्तावेजों के निर्माण में योगदान दिया है। इसके अलावा, उन्होंने विधि एवं सार्वजनिक नीति से संबंधित अनेक पुस्तकें भी लिखी हैं।

शिक्षा एवं अकादमिक क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए तेलंगाना सरकार ने उन्हें वर्ष 2017 में श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्ष 2021 में उन्हें नालसर उत्कृष्ट शोध पुरस्कार (नालसर एक्सीलेंस इन रिसर्च अवार्ड) भी प्रदान किया गया। लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026 उनके लगभग चार दशकों के विधि शिक्षा, शोध, सार्वजनिक नीति एवं समाज के प्रति समर्पित योगदान का सम्मान है।

रेडकार्पेट ज्वेल प्रदर्शनी 27 से



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में रेडकार्पेट ज्वेल एग्जीबिशन की कर्टेन रेजर कार्यक्रम का आयोजन रविवार को जुबली हिल्स स्थित होटल कासा, रोड नंबर-36 में किया गया। इस अवसर पर अभिनेत्री ऋतु चौधरी सहित आभूषण प्रेमियों ने भाग लिया। आयोजक शैलजा राम और आर.के. नायडू भी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय भव्य आभूषण प्रदर्शनी 27 से 29 नवंबर तक जुबली कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगी। इसमें आभूषणों के आकर्षक और विविध संग्रह प्रदर्शित किए जाएंगे।

प्रदर्शनी में आभूषण प्रेमियों को नवीनतम डिजाइनों और खास कलेक्शन देखने का अवसर मिलेगा।

महाकालेश्वर मंदिर में अन्नकूट कल



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मीरालममंडी स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में अन्नकूट महोत्सव मंगलवार, 24 नवंबर को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर भगवान शिव पंचायतजी, श्री महाकालेश्वरी, श्री गिरिराजजी एवं श्री हनुमानजी का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। महोत्सव के अंतर्गत दिनभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम एवं अनुष्ठान आयोजित होंगे।

कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 9 बजे सामूहिक श्री सत्यनारायण स्वामी व्रत कथा, दोपहर 12:30 बजे गौमाता पूजा तथा दोपहर 1 बजे तुलसी पूजा होगी। शाम 5:30 बजे से सहस्रदीपालंकरण एवं आकाश दीप का आयोजन किया जाएगा। शाम 6:30 बजे से महा अन्न पूजा तथा 7 बजे पंचआरती एवं सामूहिक आरती होगी। इसके पश्चात रात 7:15 बजे से महा अन्नकूट एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।

मंदिर समिति के अध्यक्ष गाजुला अंजैय्या ने श्रद्धालुओं से अन्नकूट महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया।

आर्डर आर्डर

फैसलों पर सवाल उठाओ, संस्थाओं पर नहीं : सीजेआई



शिमला, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि लोकतंत्र में लोगों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन उन्हें संस्थाओं को निशाना बनाने से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी फैसले से असहमति जताना और उस फैसले को लेने वाली संस्था पर सवाल उठाना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत रविवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर किसी फैसले और उसे लेने वाली संस्था के बीच अंतर नहीं कर पाते। ऐसा करने से उन संस्थाओं के प्रति लोगों का भरोसा कमजोर हो सकता है, जो लोकतंत्र के संचालन के लिए जरूरी हैं। विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई।

दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र भी दिया। हिमालय के पहाड़ों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मंजिल तक पहुंचने का रास्ता हमेशा सीधा नहीं होता। इसलिए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए धैर्य रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अकेले पहाड़ नहीं चढ़ता। इसी तरह जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी दूसरों का साथ और सहयोग आवश्यक होता है। यह समारोह धर्मशाला के गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया। इसमें 702 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जबकि 32 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिले। इनमें 23 छात्राएं शामिल थीं। डिग्री प्राप्त करने वालों में 584 स्नातकोत्तर, 29 स्नातक और 48 पीएचडी शोधार्थी थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का समाचार पत्रक और शिक्षकों द्वारा लिखी गई पांच पुस्तकें भी जारी की गईं।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विद्यार्थियों से कहा कि डिग्री मिलना उनकी मेहनत की पहचान है, लेकिन इसके साथ समाज और देश के प्रति उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं है। इससे सोचने-समझने की क्षमता विकसित होती है। साथ ही शोध, नए विचारों और समाज में बदलाव लाने के रास्ते भी खुलते हैं।

सुक्खू ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में शिक्षा व्यवस्था को युवाओं को केवल नौकरी पाने के लिए ही नहीं, बल्कि रोजगार देने और नए शोध करने के लिए भी तैयार करना होगा।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने विश्वविद्यालय से हिमालय से जुड़ी चुनौतियों पर शोध करने का आग्रह किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, जल संरक्षण, जैव विविधता और ग्रामीण विकास जैसे मुद्दों पर काम करने की आवश्यकता बताई।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप ने किया नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने पूरे सेवाभाव, उत्साह और समर्पण के साथ अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्न वितरण करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग, प्रेम और मानवीय संवेदनाओं की भावना को मजबूत करना है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रुप का मानना है कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य और मानवता की सच्ची सेवा है। सेवा के ऐसे छोटे-छोटे प्रयास समाज में प्रेम, सद्भाव और परोपकार की भावना को नई दिशा देते हैं। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, नरेश बंसल, अरुण विजयवर्गीय एवं नीलम विजयवर्गीय सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। राधे-राधे ग्रुप का संदेश है कि सेवा ही सच्चा धर्म है और मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है।

तुलसी विवाह पर नीलम गुप्ता का सम्मान

भाजपा में पद मिलने पर परिवारजनों ने किया अभिनंदन; उज्ज्वल भविष्य की कामना की



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शीरबाग स्थित मीनू दोनेरिया के निवास पर परिवार की ओर से तुलसी पूजन एवं तुलसी विवाह उत्सव भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक आयोजन के साथ पारिवारिक मिलन एवं सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान परिवार की बड़ी भाभी मीनू गुप्ता ने नीलम गुप्ता को भाजपा में पद मिलने पर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। परिवार के सभी सदस्यों ने नीलम गुप्ता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर मीनू गुप्ता, श्वेता गुप्ता, सुनीता गुप्ता, पिंकी गुप्ता एवं उर्मिला गुप्ता उपस्थित रहीं। परिवार के बच्चों तनिष, हैग्रीव, आरना, विधि एवं जानवी ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

प्रथम पृष्ठ का शेष

हथेली में...

वहीं, दूसरी पोस्ट में उन्होंने निवेशकों को सलाह देते हुए कहा कि वह एक सबक दोहराना चाहते हैं कि कभी भी गिरते हुए चाकू को पकड़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इसका अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि खरीदारी करने से पहले कीमतों में गिरावट थमने का इंतजार करना चाहिए।

मैं अभी और इंतजार करूंगा

कियोसाकी ने अपना उदाहरण देते हुए बताया कि पिछली बड़ी गिरावट के बाद उन्होंने 20 हजार डॉलर प्रति बिटकॉइन की कीमत पर खरीदारी शुरू की थी। अब वह एक बार फिर बिटकॉइन के सबसे निचले स्तर यानी न्यूनतम कीमत पर पहुंचने का इंतजार करेंगे।

उन्होंने कहा कि निवेश का सबसे बड़ा सबक यह है कि मुनाफा खरीदारी के समय बनता है, न कि बेचने के समय। उन्होंने निवेशकों को अपना ख्याल रखने की सलाह भी दी।

बुलबुला...

कॉमेक्स पर चांदी की कीमत में दस महीने से भी कम समय में लगभग 63.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, बारचार्ट के विश्लेषण में सामने आया है कि अनुकूल आपूर्ति-मांग संबंधी बुनियादी परिस्थितियों के बावजूद कीमतों में आई यह तेज गिरावट निवेशकों के कमजोर होते भरोसे, सट्टेबाजी से जुड़ी बिकवाली और बढ़ती अस्थिरता की ओर संकेत करती है।

सिर्फ चांदी ही नहीं, बल्कि सोना भी जनवरी के अपने उच्चतम स्तर से 31.5 प्रतिशत तक गिर चुका है।

निवेशकों के नुकसान का गणित

अब बात करते हैं उन निवेशकों को हुए नुकसान की, जिन्होंने चांदी की कीमतों के उच्चतम स्तर पर खरीदारी की थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों के आधार पर गणना करें तो यदि किसी निवेशक ने जनवरी में 121.785 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड भाव पर 10 हजार डॉलर की चांदी खरीदी होती, तो उसे लगभग 82.11 औंस चांदी मिलती। अब 44.025 डॉलर प्रति औंस की कीमत के हिसाब से इतनी चांदी का मूल्य लगभग 3,615 डॉलर रह गया होता। यानी निवेशक को करीब 6,385 डॉलर या लगभग 64 प्रतिशत का नुकसान होता। हालांकि, इस गणना में लेनदेन की लागत, कर और मुद्रा विनिमय दरों में होने वाले बदलाव को शामिल नहीं किया गया है।

सिल्वर इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि वर्ष 2026 में दुनिया भर में चांदी की आपूर्ति में 46.3 मिलियन औंस की कमी रहेगी, जबकि वर्ष 2025 में यह कमी 40.3 मिलियन औंस थी। इसके बावजूद सट्टेबाजी के कारण हुई बिकवाली ने चांदी की कीमतों को नीचे धकेल दिया है। बारचार्ट के अनुसार, चांदी की मासिक ऐतिहासिक कीमत अस्थिरता 51.42 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि सोने की अस्थिरता 25.25 प्रतिशत रही। इस प्रकार चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव सोने की तुलना में लगभग दोगुना रहा।

अब निवेशक क्या करें?

सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) या फंड ऑफ फंड्स में निवेश करने वाले भारतीय निवेशकों के लिए यह गिरावट निवेश में विविधता, अनुशासित निवेश और किसी एक कमोडिटी में जरूरत से ज्यादा पैसा लगाने से बचने के महत्व को दर्शाती है।

हालांकि, सोने-चांदी की गिरती कीमतें धीरे-धीरे निवेश करने के अवसर दे सकती हैं, लेकिन अतिरिक्त निवेश करने से पहले निवेशकों को अपनी जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की अवधि का आकलन करना चाहिए। इस गिरावट से सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि निवेश में हुए बड़े नुकसान की भरपाई के लिए काफी अधिक मुनाफा कमाना पड़ता है। इसलिए अच्छा रिटर्न हासिल करने की कोशिश के साथ-साथ अपनी पूंजी को सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है।

ओवैसी...

बयान की आलोचना की थी। प्रियंका चतुर्वेदी के अनुसार, राहुल गांधी ने राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा कि देश को सर्वोपरि रखते हुए राहुल गांधी ने कहा कि इजरायल के साथ भारत के संबंध हैं और ये द्विपक्षीय रिश्ते आगे भी बने रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार को फिलिस्तीन में हो रही घटनाओं पर भी अपना पक्ष रखना चाहिए।

ममुझे इसमें कोई पाखंड या गलती नहीं दिखतीफ

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी के बयान में कोई पाखंड या गलती नजर नहीं आती। पाकिस्तान का मुद्दा हो या इजरायल का, राहुल गांधी ने हमेशा राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बात की है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन देश का हित सर्वोपरि है और राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणियों में इसी भावना को दर्शाया है।

पाक...

उन्होंने आतंकवाद को पूरे क्षेत्र की साझा समस्या बताते हुए कहा कि इसका मिलकर समाधान निकालना जरूरी है।

मलिक ने कहा कि आतंकवाद से जुड़े सभी सबूत और तथ्य पारदर्शी तरीके से एक-दूसरे के सामने रखे जाने चाहिए। इसके लिए एक ऐसा मंच बनाया जाना चाहिए, जहां प्रत्येक मुद्दे पर उपलब्ध सबूतों के आधार पर चर्चा हो सके। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान के हजारों लोग भी चरमपंथ और आतंकवाद के शिकार हुए हैं। उनके मुताबिक, पाकिस्तान अपने नागरिकों की सुरक्षा पर ध्यान दे रहा है।

पूरा क्षेत्र आतंकवाद के संकट से जूझ रहा : मलिक

पाकिस्तानी मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में पाकिस्तान की जिम्मेदारी पर सीधे जवाब देने के बजाय कहा कि इस समस्या को समाप्त करने में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है। उन्होंने दावा किया कि पूरा क्षेत्र आतंकवाद के संकट से जूझ रहा है और पाकिस्तान इसे खत्म करने के लिए सहयोग करना चाहता है।

हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी नेटवर्क के खिलाफ की गई किसी ठोस कार्रवाई का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर सभी पक्षों को अपने-अपने सबूत सामने रखने चाहिए, ताकि मिलकर इसका समाधान निकाला जा सके।

भारत से बातचीत की गुहार

मलिक ने भारत से बातचीत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि कोई इस समस्या का स्थायी समाधान चाहता है और केवल विवाद को बढ़ाना नहीं चाहता, तो उसे बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जब भी इस मुद्दे पर चर्चा होगी, वह सबूतों के आधार पर होगी। मलिक ने कहा कि पाकिस्तान कई मंचों पर भारत के साथ द्विपक्षीय बातचीत में सबूत साझा करने का प्रस्ताव दे चुका है। इसके अलावा, उसने बहुपक्षीय मंचों पर भी इस मुद्दे को उठाने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि भारत अपने सबूत पेश करे और पाकिस्तान अपने तथ्य रखे, ताकि आतंकवाद से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

आतंकवाद के खिलाफ भारत ने उठाए कई कदम

भारत ने सीमा पार से होने वाले आतंकवाद और राज्य प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है। आतंकी नेटवर्क, उनकी फंडिंग और उन्हें मिलने वाले सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ कूटनीतिक स्तर पर भी प्रयास किए गए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 23 नवंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

500 निशानों और 500 कलशों के साथ निकली आस्था की भव्य शोभायात्रा





लगभग 2,500 श्रद्धालुओं की सहभागिता से चूड़ी धाम में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ; शहर के प्रमुख सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों ने बढ़–चढ़कर लिया भाग

हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार को माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा की भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा में लगभग 2,500 श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। करीब 500 निशानों और 500 कलशों के साथ निकली इस विशाल शोभायात्रा ने पूरे शहर को भक्तिमय बना दिया। हाथों में निशान, सिर पर कलश और मुख पर माँ जीण माता एवं बाबा श्याम के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्रातः महादेव मंदिर, चारमीनार से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। ढोल–नगाड़ों, बैंड–बाजों, भक्ति संगीत और गगनभेदी जयकारों के बीच यात्रा गुलजार हाउस, मदन भवन तथा चारमीनार क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होती हुई घांसी बाजार और बेगम बाजार के रास्ते श्री खेमदास मठ स्थित चूड़ी धाम पहुँची। यात्रा में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और परिवारों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। निशान लेकर चल रहे श्रद्धालुओं और पारंपरिक वेशभूषा में कलश धारण किए महिलाओं की सहभागिता ने शोभायात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

मार्ग में जगह–जगह स्वागत, पुष्पवर्षा और सेवा

शोभायात्रा के मार्ग में शहर के विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों तथा समाजबंधुओं द्वारा श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया गया। अनेक स्थानों पर स्वागत मंच बनाए गए। कहीं पुष्पवर्षा कर निशान यात्रियों का अभिनंदन किया गया, तो कहीं पेयजल, चाय, अल्पाहार एवं खानपान की व्यवस्था कर सेवा की गई। पूरे मार्ग में स्वागत और सत्कार का क्रम बना रहा।

राम रोटी कुंभ मेला की ओर से श्री पंकज अग्रवाल ने स्वागत किया। भाजपा से जुड़ी श्रीमती मेघा रानी द्वारा भी श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया। मालविका ड्रेसेस की ओर से स्वागत–सत्कार किया गया, वहीं श्री अमरनाथ अग्रवाल ने भी पृथक रूप से यात्रा का स्वागत किया। घांसी बाजार स्थित सूरज भवन एवं पी. सतनारायण भवन की ओर से श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया। मुकेश भाई द्वारा भी शोभायात्रा का स्वागत एवं सेवा–सत्कार किया गया। बेगम बाजार में गोपीनाथ परिवार ने भव्य स्वागत किया।

विभिन्न स्थानों पर की गई इन व्यवस्थाओं ने यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की और शहर की सामूहिक धार्मिक सहभागिता का सुंदर परिचय दिया। भाग्यनगर के अनेक प्रमुख सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को व्यापक स्वरूप प्रदान किया।

रात्रि में संगीतमय मंगल पाठ

प्रातः की भव्य शोभायात्रा के बाद महोत्सव का प्रथम दिन रात्रि के भक्तिमय आयोजन के साथ भी विशेष बना। चूड़ी बाजार, बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास मठ (चूड़ी धाम) में रात्रि 7 बजे से माँ जीण माता का संगीतमय मंगल पाठ आयोजित किया गया। चंडीगढ़ से पधारे मंगल पाठ वाचक श्री आशीष देशवाल ने अपनी मधुर वाणी और संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से माँ जीण माता की महिमा का गुणगान किया।

इस कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता हैदराबाद के जीण माई के लाडले रहे तथा निवेदक श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट है। मंगल पाठ के दौरान भक्ति संगीत, माँ के जयकारों और श्रद्धालुओं की सहभागिता से चूड़ी धाम का वातावरण भक्तिरस से सराबोर रहा। सुबह की शोभायात्रा से लेकर रात्रि के मंगल पाठ तक पूरे दिन श्रद्धा और उत्साह का विशेष माहौल बना रहा।

आगामी चार दिन होंगे भव्य आयोजन

कलश एवं निशान शोभायात्रा और मंगल पाठ के साथ पांच दिवसीय श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। आगामी कार्यक्रमों की श्रृंखला में 23 नवंबर को माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा की भजन संध्या, 24 नवंबर को संगीतमय सुंदरकांड पाठ, 25 नवंबर को माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा का नगर भ्रमण तथा 26 नवंबर को भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित होगा। 26 नवंबर को होने वाला प्राण प्रतिष्ठा समारोह इस महोत्सव का मुख्य धार्मिक आयोजन रहेगा। आज की भव्य शोभायात्रा आगामी चार दिनों के धार्मिक आयोजनों का शुभारंभ मात्र है। चूड़ी धाम में आने वाले दिनों में भी भजन, कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठानों और भक्तिमय कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी।भाग्यनगर में माँ जीण माता एवं बाबा श्याम के इस दिव्य धाम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। पहले ही दिन उमड़ी भारी सहभागिता ने आगामी कार्यक्रमों के प्रति भक्तों की श्रद्धा और उत्सुकता को स्पष्ट रूप से दर्शाया है।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की सराहनीय पहल

290 बेडशीट का सेवा वितरण, जल संरक्षण का भी दिया संदेश



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की ओर से जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की सेवा के उद्देश्य से सराहनीय सेवा कार्य किया गया। इस दौरान दो स्थानों पर कुल 290 बेडशीट वितरित कर जरूरतमंदों को राहत एवं सुविधा प्रदान की गई।

इसके तहत इंटीग्रेटेड वेलफेयर सोसाइटी, सुचित्रा में 200 बेडशीट तथा हेल्थकेयर फाउंडेशन में 90 बेडशीट वितरित की गईं।

इस सेवा कार्य की विशेषता यह रही कि बेडशीट पर महावीर इंटरनेशनल के लोगो के साथ ङ्गसेव वाटरफ (जल संरक्षण) का संदेश देने वाले स्टीकर भी लगाए गए, ताकि सेवा के साथ–साथ समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता भी फैलाई जा सके।

इस सराहनीय पहल का नेतृत्व महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के चेयरमैन वीर विनोद संचेती ने किया। उन्होंने बेडशीट के साथ अपनी ओर से नैपकिन भी भेंट किए। उनका सेवा के प्रति समर्पण एवं समाज के प्रति संवेदनशीलता प्रशंसनीय रही।

इस अवसर पर वीर विनोद संचेती, वीर अनिल बोहरा एवं वीर अशोक खींचा उपस्थित रहे। सेवा कार्य के दौरान बेडशीट एवं नैपकिन प्राप्त कर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान देखने को मिली। इसने इस पहल को और भी सार्थक बना दिया।

महावीर इंटरनेशनल का उद्देश्य मानव सेवा, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी के माध्यम से समाज में खुशियां बांटना है। संस्था का मानना है कि सेवा के छोटे–छोटे प्रयास भी किसी के जीवन में बड़ी खुशियां ला सकते हैं।

मानव सेवा के संकल्प को साकार कर रहा राधे–राधे ग्रुप : सुरेश डालमिया



हैदराबाद। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265–ए के पास रविवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुरेश डालमिया ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरा धर्म नहीं है। जरूरतमंद और भूखे लोगों को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना के साथ नियमित रूप से अन्नसेवा का कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। सेवा का वास्तविक अर्थ केवल किसी की सहायता करना नहीं, बल्कि बिना किसी भेदभाव के दूसरों के दुख–दर्द को समझना और उनके जीवन में खुशियां लाने का प्रयास करना है।

सुरेश डालमिया ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न अंग रहा है। किसी भूखे व्यक्ति को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन कराना अपने आप में ईश्वर की सच्ची आराधना है।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, शीतल गुप्ता एवं सुरेश डालमिया सहित अन्य सदस्यों ने अन्नसेवा में सहभागिता निभाई। सभी ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ इस पुनीत अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।



श्री जीण माता मंदिर एवं श्याम बाबा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में चार कमान से खेमदास मठ, बेगम बाजार तक निकाली गई भव्य शोभायात्रा में शामिल भक्तों का पुष्पवर्षा एवं शीतल पेय से स्वागत करते हुए हिंदू संरक्षण समिति अशोक फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, मालती देवी अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, विहान अग्रवाल एवं अन्य कार्यकर्ता गण।

अग्रवाल समाज की मैरिज डेटा कमेटी की बैठक संपन्न



हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमेटी की बैठक समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर्स, आबिड्स, हैदराबाद में आयोजित की गई। बैठक में कमेटी के कार्यों तथा समाज के युवक–युवतियों के विवाह संबंधी बायोडाटा के आदान–प्रदान को लेकर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।बैठक में मैरिज डेटा कमेटी के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, कन्वीनर अशोक जिंदल, वाइस चेयरमैन पंकज संघी, अजय तुलस्यान, रानी मित्तल, शीतल रुंगटा, संगीता गोयल, ज्योति, पूजा अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल एवं देवकीनंदन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।समाज के युवक–युवतियों के विवाह संबंधी बायोडाटा के आदान–प्रदान को लेकर चर्चा

चेवेल्ला में संदेह बना हत्या की वजह 24 घंटे के भीतर पुलिस ने दबोचा

महिला पर चाकू से हमला कर मौत के घाट उतारा,

मोबाइल चोरी और बैंक खाते से 45 हजार रुपये ट्रांसफर का विवाद

पुलिस ने चोरी का मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद किया





ओमप्रकाश सिरवी

रंगारेड्डी जिला, 22 नवंबर ।

चेवेल्ला थाना क्षेत्र में मोबाइल चोरी और बैंक खाते से 45 हजार रुपये ट्रांसफर किए जाने के मामले में संदेह जताए जाने से नाराज युवक ने महिला की चाकू से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने विशेष टीमों की कार्रवाई के तहत उसे 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन और हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, चेवेल्ला थाना क्षेत्र में फराह कॉलेज के सामने स्थित टिनशेड मकान के पास बत्तुला पद्म (28–30 वर्ष) की हत्या हुई। बत्तुला गुरुवुलु (45) पिछले करीब आठ महीनों से चेवेल्ला में सेंटरिंग का काम कर रहा था। उसके साथ नरसिम्हा, उसकी पत्नी पद्म और केतावत शिव शंकर वरप्रसाद नायक उर्फ शिव भी काम करते हुए उसी स्थान पर रह रहे थे।

20 नवंबर 2026 को गुरुवुलु का मोबाइल फोन गायब हो गया। इसके साथ ही उसके बैंक खाते से 45 हजार रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर होने का पता चला। मोबाइल चोरी और रकम हस्तांतरण को लेकर शिव पर संदेह जताते हुए गुरुवुलु और पद्म 21 नवंबर को चेवेल्ला पुलिस थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस पूछताछ के दौरान शिव ने मोबाइल फोन चोरी कर उसके माध्यम से रकम ट्रांसफर करने की बात स्वीकार की और फोन वापस करने का आश्वासन दिया। इसके बाद तीनों अपने निवास स्थान पहुंचे। मोबाइल छिपाए गए स्थान पर ले जाने के दौरान पुलिस के समक्ष उस पर संदेह जताए जाने को लेकर शिव ने गुरुवुलु और पद्म से विवाद किया।

इसी बीच गुरुवुलु अपनी बाइक लेने चला गया। कुछ देर बाद लौटने पर उसने पद्म को मिट्टी के ढेर के पास खून से लथपथ पड़ा देखा। उसके सीने, बाएं कान और बाएं हाथ के पास धारदार हथियार से वार किए गए थे। गंभीर चोटों के कारण पद्म की मौत हो चुकी थी। शिकायत के अनुसार, वारदात के बाद आरोपी शिव मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर चेवेल्ला पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी केतावत शिव शंकर वरप्रसाद नायक उर्फ शिव (19), पिता खेतावत मुनिस्वामी नायक निवासी जम्मी नगर, वेलगोड गांव एवं मंडल, नंद्याल जिला, आंध्र प्रदेश को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन और हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद किया। जांच के दौरान आरोपी की आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले के वेलगोड थाना क्षेत्र में दर्ज दो अन्य चोरी के मामलों में भी संलिप्तता सामने आई है। मामले में आगे की जांच जारी है।

नफरत नहीं, भाईचारा चाहिए

धार्मिक द्वेष फैलाने और बंदूक संस्कृति को बढ़ावा देने वाले बयानों पर विधायक राजा सिंह की आलोचना; आनंद कुमार गौड़ ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की





हैदराबाद, 22 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल के बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने विधायक राजा सिंह के कथित बयानों और सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे वीडियो की कड़ी आलोचना करते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की पहचान आपसी भाईचारे, धार्मिक सद्भाव और गंगा-जमुनी तहजीब से है। यहां विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग लंबे समय से मिल-जुलकर रहते आए हैं। ऐसे में किसी भी जनप्रतिनिधि को अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोगों के बीच धार्मिक वैमनस्य पैदा करने या समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण बनाने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

रविवार को गौलीगुड़ा स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी समाज को जोड़ने, जनता की समस्याओं का समाधान करने और क्षेत्र का विकास करने की होती है। लेकिन उनके आरोपों के अनुसार, विधायक राजा सिंह अपने बयानों और सोशल मीडिया गतिविधियों के माध्यम से लोगों के बीच धार्मिक तनाव बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था प्रत्येक व्यक्ति का निजी विश्वास है। किसी को भी धर्म के नाम पर दूसरे समुदाय के प्रति नफरत फैलाने, डर पैदा करने या लोगों को आपस में लड़ाने का अधिकार नहीं है।

तीन बार विधायक, फिर भी विकास के सवाल

आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि गोशामहल की जनता ने राजा सिंह को लगातार तीन बार विधायक चुना और उनसे क्षेत्र के विकास तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान की अपेक्षा की। इसके बावजूद उनके अनुसार, क्षेत्र के लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक ने स्थानीय नागरिकों की समस्याओं, बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। गौड़ ने आलोचना करते हुए कहा कि सरकार की ओर से स्वीकृत विकास कार्यों के उद्घाटन के समय विधायक तस्वीरें खिंचवाने के लिए पहुंचते हैं, लेकिन बाद में उन कार्यों की प्रगति और उनके पूरा होने की स्थिति की समीक्षा नहीं करते। उन्होंने सवाल उठाया कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें प्रतिनिधित्व सौंपा, उस विश्वास के अनुरूप काम होना चाहिए या नहीं?

नफरत के संदेश और दोहरी नीति पर सवाल

गौड़ ने आरोप लगाया कि राजा सिंह सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो और संदेश प्रसारित करते हैं, जिनमें मुसलमानों को देश के लिए खतरा बताते हुए हिंदुओं से एकजुट होकर उनका मुकाबला करने की अपील की जाती है। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा समाज में अविश्वास, भय और धार्मिक विभाजन को बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दूसरी ओर विधायक गोशामहल में उसी मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ व्यापारिक लेन-देन में भागीदार हैं। गौड़ ने इसे कथित दोहरी नीति बताते हुए कहा कि सार्वजनिक मंचों पर नफरत की बातें करना और निजी जीवन में उन्हीं लोगों के साथ सामान्य व्यवहार करना जनता के सामने कई सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि हिंदू और मुस्लिम सहित सभी समुदायों के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं। बाजार, व्यापार, रोजगार और सामाजिक जीवन में सभी की भागीदारी है। किसी एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने से न तो देश मजबूत होगा और न ही क्षेत्र का विकास होगा। समाज को बांटने वाली राजनीति के बजाय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और बुनियादी सुविधाओं जैसे वास्तविक मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

बंदूक संस्कृति नहीं, कानून और शांति जरूरी

आनंद कुमार गौड़ ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में हाथ में बंदूक लिए हुए राजा सिंह द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उनके अनुसार, इस वीडियो में विधायक ने कथित तौर पर कहा कि देश के प्रत्येक हिंदू को लाइसेंस लेकर अपने साथ बंदूक और रिवॉल्वर रखना चाहिए, अन्यथा हिंदुओं का जीना मुश्किल हो जाएगा। गौड़ ने कहा कि इस तरह के संदेशों से आम नागरिकों में भय का वातावरण बन सकता है और समाज में हथियार रखने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज में सुरक्षा का आधार कानून, संविधान, पुलिस प्रशासन और न्याय व्यवस्था होनी चाहिए, न कि आम नागरिकों के हाथों में हथियार। बंदूक संस्कृति किसी समस्या का समाधान नहीं है। इससे आपसी अविश्वास, तनाव और हिंसा का खतरा बढ़ सकता है।

यदि प्रत्येक व्यक्ति दूसरे समुदाय को संभावित दुश्मन समझकर हथियार रखने लगेगा, तो सामाजिक शांति और नागरिक सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धर्म की रक्षा के नाम पर हथियारों का भय दिखाना उचित नहीं है। सभी धर्मों का मूल संदेश मानवता, प्रेम, करुणा और शांति है।

जनप्रतिनिधियों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा

गौड़ ने कहा कि विधायक जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के प्रत्येक बयान और सार्वजनिक गतिविधि का समाज पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए जनप्रतिनिधियों को अपनी भाषा और व्यवहार में संयम रखना चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें धार्मिक संघर्ष का रूप देना समाज के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि गोशामहल के हिंदू, मुस्लिम और अन्य सभी समुदायों के नागरिक शांति, सम्मान और आपसी सहयोग के साथ रहना चाहते हैं। जनता को धार्मिक आधार पर बांटने के बजाय उनकी वास्तविक समस्याओं को उठाना जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से मांग की कि उत्तर प्रदेश में बंदूक के साथ बनाए गए कथित वीडियो तथा उसमें दिए गए संदेशों की निष्पक्ष जांच की जाए। यदि जांच में कानून का उल्लंघन पाया जाता है, तो वीडियो को सोशल मीडिया से हटाने सहित विधायक राजा सिंह के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, धार्मिक द्वेष फैलाने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले किसी भी बयान को गंभीरता से लिया जाए।

आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि गोशामहल की जनता अब विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं पर जवाब चाहती है। उनके अनुसार, क्षेत्र के लोग धर्म के नाम पर किए जा रहे राजनीतिक दिखावे से परेशान हैं और आगामी चुनावों में इसका जवाब देंगे। उन्होंने दावा किया कि जनता राजा सिंह को करारी शिकस्त देने के लिए तैयार है और उनकी जमानत जब्त हो सकती है।

अंत में गौड़ ने सभी समुदायों के लोगों से अपील की कि वे किसी भी भड़काऊ बयान, सोशल मीडिया वीडियो या अफवाह के प्रभाव में न आएं। शांति, सद्भाव और भाईचारे को बनाए रखें तथा किसी भी तरह की नफरत और हिंसा का समर्थन न करें। उन्होंने कहा कि देश और समाज को बंदूकों की नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, शिक्षा, विकास और भाईचारे की जरूरत है। धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वालों के बजाय मानवता और एकता का संदेश देने वालों को महत्व मिलना चाहिए।

एसबीआई की बड़ी पहल

चेयरमैन शेट्टी ने जोगुलांबा में आरबीओ कार्यालय की रखी आधारशिला





हैदराबाद, 22 नवंबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के हैदराबाद सर्किल की ओर से तेलंगाना में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, डिजिटल सुविधाओं और सामाजिक विकास से जुड़ी कई कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजनाओं का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने जोगुलांबा में नए क्षेत्रीय व्यवसाय एवं परिचालन (आरबीओ) कार्यालय की आधारशिला रखी।

बैंकिंग सेवाओं का होगा विस्तार

चेयरमैन शेट्टी ने कहा कि नया आरबीओ कार्यालय क्षेत्र की शाखाओं को बेहतर प्रशासनिक एवं व्यावसायिक सहयोग प्रदान करेगा। इससे ग्राहकों और शाखा प्रबंधकों के बीच समन्वय बढ़ेगा तथा ऋण, वित्तीय समावेशन और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता बेहतर होगी। उन्होंने बताया कि एसबीआई के लगभग 110 प्रशासनिक कार्यालय वर्ष 2028 तक अपने भवनों से संचालित होंगे। नए परिसर में मॉडल शाखा, कृषि एवं एमएसएमई ऋण केंद्र (एएमसीसी) तथा गृह ऋण केंद्र (एचएलसी) भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने भूमि आवंटन के लिए तेलंगाना सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल फाइनेंस की ओर से लगातार दूसरे वर्ष एसबीआई को विश्व का सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक घोषित किया जाना बैंक की सेवा प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बैंक 23 हजार शाखाओं और 1.60 लाख से अधिक सेवा केंद्रों के माध्यम से 53 करोड़ ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है। योनो के 10 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बैंक में जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के व्यापक उपयोग की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।

60 आंगनवाड़ी केंद्रों का होगा उन्नयन

एसबीआई ने देशव्यापी सीए-सआर पहल के तहत तेलंगाना के 60 आंगनवाड़ी केंद्रों के उन्नयन की परियोजना शुरू की। इसके अंतर्गत केंद्रों का बुनियादी ढांचा बेहतर बनाने के साथ बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार किया जाएगा।

स्कूलों और कॉलेजों को डिजिटल सुविधाएं

वानापर्थी जिले के जिला परिषद हाईस्कूल, पेब्बैर को कंप्यूटर लैब के लिए नए डेस्कटॉप, भोजन शेड और आरओ जल शुद्धिकरण प्रणाली उपलब्ध कराई गई। वहीं, श्री सरस्वती शिशु मंदिर हाईस्कूल, वानापर्थी को पांच इंटरैक्टिव पैनल, आरओ वाटर प्यूरीफायर और सौर ऊर्जा प्रणाली प्रदान की गई। नागार्जुनसागर जिले के सरकारी डिग्री कॉलेज, नागरकर्नूल को डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 30 कंप्यूटर और पांच मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर सौंपे गए।

छात्राओं को 50 साइकिलें वितरित

बालिका शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य से छात्राओं को 50 साइकिलें वितरित की गईं। इससे उन्हें स्कूल आने-जाने में सुविधा मिलेगी तथा पढ़ाई बीच में छोड़ने की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी।

जोगुलांबा मंदिर को डिजिटल कियोस्क और ई-बग्गी

अलमपुर स्थित श्री जोगुलांबा बाल ब्रह्मेश्वर स्वामी देवस्थानम में चेयरमैन ने डिजिटल कियोस्क का उद्घाटन किया तथा ई-बग्गी भेंट की। डिजिटल कियोस्क से श्रद्धालुओं को डिजिटल सेवाएं मिलेंगी, जबकि ई-बग्गी से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और जरूरतमंद श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में आवागमन की सुविधा मिलेगी।

एसबीआई ने कहा कि उसकी सीएसआर पहल शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, बुनियादी सुविधाओं और डिजिटल समावेशन पर केंद्रित है, विशेषकर ग्रामीण एवं सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना इसका उद्देश्य है।

कार्यक्रम में एसबीआई हैदराबाद सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक नीलेश द्विवेदी, महाप्रबंधक नेटवर्क-2 सतीश कुमार, महाप्रबंधक नेटवर्क-1 रणविजय प्रताप, उप महाप्रबंधक एवं मुख्य डिजिटल अधिकारी (सीडीओ) सूरजित त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक (बैंकिंग एवं परिचालन), आंचलिक कार्यालय नलगोंडा के प्रियब्रत मिश्रा सहित स्कूल-कॉलेजों के प्रमुख, मंदिर के अधिकारी, विद्यार्थी, शिक्षक और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

एसबीआई लेडीज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती श्रीदेवी सूर्या तथा एसबीआई लेडीज क्लब हैदराबाद की अध्यक्ष श्रीमती रश्मि द्विवेदी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।



भाग्यलक्ष्मी मंदिर में आज साध्वी प्रज्ञा भारती ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के रामा राजू, महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, श्रीराम नवमी के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव, पूर्व कॉरपोरेटर एम. वैकुंठम तथा मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला एवं अन्य उपस्थित रहे।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.